RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा



श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत



वर्ष-12 अंक:149 ता. 02 दिसम्बर 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi


## 17 दिनों तक सुरंग के अंदर फंसे रहने पर भी नहीं कम हुआ जज्बा, काम पर लौटना चाहता बंगाल का यह मजदूर

**नई दिल्ली।** उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सिल्कयारा सुरंग में अपने 40 साथियों के साथ 17 दिनों तक फंसे जॉयदेब परमानिक का काम करने का जज्बा अभी भी कम नहीं हुआ है। वह घर नहीं लौटना चाहता है। वह अपनी आजीविका कमाना जारी रखना चाहता हैं। पश्चिम बंगाल के हुगली के निमडिंगी के रहने वाले जॉयदेब वीडियो कॉल के जरिए अपनी मां और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ लगातार संपर्क में है, लेकिन वह अपना काम फिर से शुरू करना चाहता है। आपको बता दें कि कुछ साल पहले ही वह काम के सिलसिले में पश्चिम बंगाल से दूर उत्तराखंड पहुंचे थे। सुरंग ढहने से उनके जीवन की दिशा बदल गई। वह और बंगाल के दो अन्य श्रमिक 17 दिनों तक अन्य लोगों के साथ अंदर फंसे रहे। यह खबर आने पर उनका परिवार टूट गया और उनकी मां तापती परमानिक अपने बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए प्रार्थना करने के लिए रोजाना मंदिर जा रही थीं। सुरंग से बाहर आने के बाद उन्होंने सबसे पहले घर फोन किया और घर लौटने के बारे में अपनी मां के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा, मैं घर नहीं आऊंगा। मेरे पास दो दिन का काम बचा है। जॉयदेब का एम्स ऋषिकेश में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर पहले कुछ दिन काफी निराशाजनक थे। सभी के मन में अनिश्चितता और चिंता व्याप्त थी। लेकिन उसके बाद ये सब खत्म हो गया। वहां सिर्फ स्नान करने की समस्या थी। यहां तक कि अंदर भेजा गया खाना भी अच्छा था। जॉयदेब ने अपनी मां को आश्वस्त किया कि उन्हें किसी भी स्वास्थ्य समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वह चिकित्सकीय निगरानी में हैं। उसनेकहा है कि उसका काम समाप्त होने के बाद ही वह छुट्टियों के लिए घर आएगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के तीन श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों की मदद के लिए उत्तराखंड में एक विशेष टीम भेजी है।

# मोदी मैजिक कायम, जाति जनगणना का कार्ड फेल; एग्जिट पोल से मिल रहे संकेत

यह याद रखना भी महत्वपूर्ण है कि दिसंबर 2018 में बीजेपी इन सभी 4 प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव की लड़ाई हार गई थी। लेकिन इसके कुछ ही महीने बाद ही 2019 का लोकसभा चुनाव भारी अंतर से जीती।

**नई दिल्ली।** पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के संपन्न होते ही एग्जिट पोल करने वाली तमाम एजेंसियों ने अपना अनुमान बता दिया है। मध्य प्रदेश में भाजपा वापसी करती दिख रही है। वहीं, राजस्थान में कांग्रेस-बीजेपी के बीच टक्कर है। छत्तीगढ़ और तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनने की संभावना है। एग्जिट पोल किस हद तक सही साबित होते हैं यह तो 3 दिसंबर को परिणाम ही बताएंगे, लेकिन इसने लोकसभा चुनाव के लिए कई संदेश दिए हैं।

**ब्रांड मोदी का जलवा कायम?**

कुछ एग्जिट पोल में राजस्थान में भाजपा की वापसी और मध्य प्रदेश राजस्थान में भाजपा की जीत की संभावना है। अगर एमपी में फिर शिवराज सिंह चौहान की सरकार बनती है तो इसका मतलब साफ होगा कि वहां सत्ता विरोधी लहर नहीं दिख रही है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह साबित होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता आज भी कायम है। क्योंकि इस चुनाव में बीजेपी पीएम मोदी के चेहरे के दम पर चुनावी अखाड़े में कूदी थी।

**जाति जनगणना का मुद्दा भी फेल**

इन राज्यों में विधानसभा चुनाव के राहुल गांधी ने राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना का वादा किया था। उन्होंने बीजेपी के हिंदुत्व के एजेंडे की काट के लिए बड़े ही जोशीले अंदाज में यह मुद्दा उठाया था। एग्जिट पोल का अनुमान अगर नतीजे में साबित होता है तो इसका यही मतलब है कि जमीन पर इसका सीमित प्रभाव पड़ा है। उदाहरण के लिए मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों में से लगभग एक-तिहाई सीटें ओबीसी बहुल हैं। यदि दोनों हिंदी भाषी राज्यों में बीजेपी की वापसी होती है तो विपक्ष को भाजपा के खिलाफ 2024 के लिए नया हथियार तैयार करना पड़ेगा। हालांकि, इसके लिए काफी कम समय बाकी रह गया है।

तेलंगाना को लेकर अधिकांश एग्जिट पोल में कांग्रेस की वापसी दिख रही है। अगर परिणाम भी यही आते हैं तो कांग्रेस के लिए यह किसी पुनरुद्धार से कम नहीं होगा। क्योंकि दक्षिण को कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। कांग्रेस के कमजोर होते ही इन राज्यों में क्षेत्रियों दलों ने पैठ बना ली। आपको बता दें कि कर्नाटक की तरह तेलंगाना में भी कांग्रेस को मजबूत स्थानीय नेतृत्व से फायदा मिलता दिख रहा। इसे कई नेताओं के दलबदल से बहुत फायदा हुआ।

**महिला मतदाताओं ने खेल बदला**

इन चुनावों ने एक बार फिर महिला वोटर की महत्वपूर्ण भूमिका साबित होती दिख रही है। मध्य प्रदेश में 18.3 लाख महिला मतदाताओं ने मतदान किया, जो पिछली बार से 2न अधिक है। महिला लाभार्थियों ने स्पष्ट रूप से भाजपा की वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिवराज सिंह चौहान की %लाडली बहना% योजना का काफी महत्वपर्ण योगदान साबित हो सकता है, जिसके जरिए सीधे उनके बैंक अकाउंट में पैसा डाला जाता है।

हालांकि, यह याद रखना भी महत्वपूर्ण है कि दिसंबर 2018 में बीजेपी इन सभी 4 प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव की लड़ाई हार गई थी। लेकिन इसके कुछ ही महीने बाद ही 2019 का लोकसभा चुनाव भारी अंतर से जीती। बीजेपी ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की थी और तेलंगाना में भी बढ़त बना ली थी। इस चुनाव में अगर भाजपा एमरी और राजस्थान में सरकार बनाने में सफल रहती है तो 2024 की लड़ाई भगवा पार्टी के लिए और आसान साबित हो सकती है।

## चुनाव में व्यस्त रहा तेलंगाना, आंध्र प्रदेश ने रातोंरात किया बड़ा खेला

### आधे नागार्जुन सागर बांध पर कब्जा

**हैदराबाद।** तेलंगाना में विधानसभा चुनाव को लेकर मतदान होने से पहले ही आंध्र प्रदेश सरकार ने रातोंरात बड़ा खेल कर दिया। कृष्णा नदी पर बने नागार्जुन सागर बांध के आधे हिस्से को आंध्र प्रदेश ने अपने कंट्रोल में ले लिया और पानी अपनी ओर बहा दिया। मालूम हो कि साल 2014 से ही तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच बांध को लेकर विवाद चला आ रहा है जब ये दोनों राज्य अलग हुए थे। तेलंगाना की के. चंद्रशेखर राव सरकार ने इसे लेकर कृष्णा रिवर मैनेजमेंट बोर्ड से शिकायत की है। इसमें आंध्र प्रदेश की YSRCP सरकार की ओर से बांध पर कब्जा जमाने और कुछ हिस्सों पर बैरिकेड लगाने का आरोप है। केआरएमबी ही दोनों राज्यों के बीच पानी का बंटवारा करता है। आंध्र प्रदेश पुलिस के करीब 400 जवान राज्य सिंचाई अधिकारियों के साथ गुरुवार को रात 1 बजे तक बांध के पास मौजूद रहे। इस तरह चुनावी राज्य तेलंगाना की पुलिस को हैरत में डालते हुए उन्होंने बांध के 36 गेट्स में से आधे पर कंट्रोल स्थापित कर लिया। जब तेलंगाना के अधिकारी और कुछ पुलिसकर्मी नालगोंडा में बांध के पास पहुंचे तो इसे लेकर आंध्र प्रदेश के पुलिसकर्मियों के साथ उनकी बहस होने लगी। इस पर एपी अधिकारियों ने तर्क दिया कि वे लोग अपनी सरकार से मिले आदेश का पालन कर रहे हैं। इस तरह की बातें सुनकर तेलंगाना के अधिकारी वापस लौट गए।

**CCTV कैमरे तोड़े, यात्रियों को रोका**

रिपोर्ट के मुताबिक, आंध्र प्रदेश के अधिकारी तेलंगाना से आने वाली उन गाड़ियों को जाने नहीं दे रहे थे जिन लोगों ने स्टेट एड्वेस के साथ आधार कार्ड नहीं दिखाया। तेलंगाना के अधिकारियों ने बताया कि आंध्र प्रदेश की ओर से इस तरह की हरकत 3 साल पहले भी की गई थी जिसे नाकाम कर दिया गया। सीएम केसीआर की ऑफिस के सीनियर अधिकारी ने बताया, हमें जानकारी मिली है कि आंध्र प्रदेश सरकार 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़ रही है। रेगुलेटर गेट्स के लिए उन्होंने अलग से पावर लाइन की व्यवस्था की है। इससे साफ पता चलता है कि आंध्र प्रदेश सरकार बीते कई हफ्तों से इसकी तैयारी कर रही थी।

## 3 दिसंबर से आने वाला है चक्रवाती तूफान, किन राज्यों में होगी बारिश; मौसम विभाग ने बताया

**नई दिल्ली।** भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक पूर्वानुमान जारी किया है, जिसमें चक्रवाती तूफान आने की आशंका है। आईएमडी ने कहा है कि 3 दिसंबर के आसपास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान आने की संभावना है। हालांकि, इसका असर ओडिशा तक जाने की संभावना नहीं है। आईएमडी ने कहा है कि संभावित चक्रवात के प्रभाव का आकलन शुक्रवार को समुद्र में दबाव बनने के बाद ही किया जा सकता है। आईएमडी वैज्ञानिक उमाशंकर दास ने कहा, संभावित चक्रवात के मार्ग और अन्य मापदंडों का अनुमान अवसाद के गठन के बाद ही लगाया जा सकता है। इसलिए हमने ओडिशा या तट पर किसी अन्य

स्थान पर प्रभाव के बारे में कुछ नहीं बताया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगले चार दिनों तक ओडिशा तट के लिए कोई चेतावनी नहीं है। उन्होंने कहा कि ओडिशा तट के लिए मछुआरों के लिए भी कोई चेतावनी नहीं है। इस बीच आईएमडी ने एक विशेष बुलेटिन में कहा कि दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर पर कम दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित हो गया है। मौसम एजेंसी ने कहा कि इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान बंगाल की दक्षिण-पूर्व खाड़ी के ऊपर एक दबाव में तब्दील होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ते हुए यह धीरे-धीरे तीन दिसंबर के आसपास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। इसके बाद यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों तक पहुंचेगा। 4 दिसंबर की सुबह के आसपास एक चक्रवाती तूफान के रूप में बदल जाएगा। एक दिसंबर की सुबह से दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में 40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवा चलने की संभावना है। 2 दिसंबर की सुबह से 50-60 किमी प्रति घंटे से लेकर 70 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवा चलने की संभावना है। आईएमडी ने यह जानकारी दी है।

## कौशांबी में 50 मीटर ऊंचा मोबाइल टावर चोरी, पूरा सेटअप उठा ले गए चोर

**कौशांबी।** उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में सन्दीपन घाट थाना क्षेत्र के उजेहिनी गांव 9 माह पहले चोर से मोबाइल टावर का पूरा स्टैक्चर व सेटअप उठा ले गए थे। कंपनी ने घटना के 9 महीने बाद तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रतापगढ़ रानीगंज थाना के रस्तीपुर के रहने वाले राजेश कुमार यादव पुत्र स्व. भगवती दीन यादव जीटीएल इंफ्रास्टेक्चर लिमिटेड कंपनी में टेक्निशीयन है। राजेश कुमार यादव ने बताया कि उनकी कंपनी ने जनपद कौशांबी में अलग स्थानों पर 16 मोबाइल टावर निजी कंपनियों के मोबाइल सिग्नल फ्रिक्वेंसी के लिए स्टाल किए थे। एक टावर व पूरे सेटअप की कीमत करीब 8,52,025 रुपये एवं डब्लूडीवी की

कीमत 4,26,818 रुपये है। कंपनी का एक टावर सन्दीपन घाट के उजेहिनी खालसा गांव में उबैद उल्ला पुत्र मजीद उल्ला के जमीन पर लगाया गया था। मोबाइल टावर का राजेश यादव ने 31 मार्च 2023 को विजिट किया। जिसमें उनको जमीन पर लगा टावर का पूरा स्टैक्चर व सेटअप गायब मिला। जमीन के मालिक से पूछताछ की गई तो मालिक ने जानकारी होने से इनकार कर दिया था। राजेश ने इसकी जानकारी कंपनी को दी। घटना के 9 माह बाद कंपनी के टेक्नीशियन ने मंगलवार को एफआईआर दर्ज करा दी। थाना प्रभारी भुवनेश चौबे ने बताया की जीटीएल कंपनी के कर्मी की तहरीर पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

## चंडीगढ़ से कंगना रनौत के चुनाव लड़ने की चर्चा, भाजपा ने सर्वे तक करा लिया

**चंडीगढ़।** अपनी बेबाक बयानबाजी से अक्सर चर्चाओं में रहने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के चंडीगढ़ से साल 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने के चर्चे हैं। वह भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ सकती हैं। भाजपा के सूत्रों की मानें तो चंडीगढ़ से इस बार भी बाहरी प्रत्याशी को उतारने की तैयारी है। फिलहाल बॉलीवुड एक्ट्रैस किरण खेर भाजपा से यहां की सांसद हैं। बॉलीवुड का विकल्प भी बॉलीवुड से सोचा जा रहा है। इस बारे में भाजपा ने एक सर्वे भी करवा लिया है और इस बारे में कंगना को बता दिया गया है।

**कंगना ने चंडीगढ़ में आवास भी ले लिया-**कंगना ने चंडीगढ़ में आवास भी ले लिया है। सूत्रों के अनुसार भाजपा ने स्थानीय नेताओं में से उम्मीदवार चुनने के लिए भी एक सर्वे करवाया था लेकिन आपसी कलह के

**भाजपा के सूत्रों की मानें तो चंडीगढ़ से इस बार भी बाहरी प्रत्याशी को उतारने की तैयारी है। फिलहाल बॉलीवुड एक्ट्रैस किरण खेर भाजपा से यहां की सांसद हैं। बॉलीवुड का विकल्प भी बॉलीवुड से सोचा जा रहा है। इस बारे में भाजपा ने एक सर्वे भी करवा लिया है और इस बारे में कंगना को बता दिया गया है।**

कारण भाजपा कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। चंडीगढ़ संसदीय सीट से भाजपा का उम्मीदवार बनने के लिए चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के मालिक भी सक्रिय हुए थे लेकिन उन पर सहमति नहीं बनी। अब कंगना रनौत के नाम की चर्चाएं चल रही हैं हालांकि, भाजपा हाईकमान ही इस बारे में कोई फैसला लेगा।

**चंडीगढ़ में रहने वाले हिमाचली वोटों को साधना चाहती है भाजपा**

भाजपा कंगना रनौत के जरिए चंडीगढ़ में रहने वाले हिमाचली वोटों को साधना चाहती है। चंडीगढ़ में बड़ी संख्या में हिमाचल के लोग रहते हैं। कंगना मूलरूप से हिमाचल के मंडी जिला की रहने वाली हैं और उन्होंने मनाली में भी अपना घर बनाया है। कंगना रनौत की पढ़ाई चंडीगढ़ में हुई है। वह यहां के सेक्टर-15 के डीएवी स्कूल से पासआउट हैं। अब भी वह अक्सर चंडीगढ़ आती-जाती रहती हैं।

**चुनाव लड़ने के लिए थे संकेत**

इससे पहले कंगना ने 4 नवंबर को चुनाव लड़ने के संकेत दिए थे। कंगना मूवी तेजस की रिलीज के बाद गुजरात के प्रसिद्ध यात्राधाम द्वारका के जगत मंदिर पहुंची थी। उन्होंने मीडिया से बातचीत में लोकसभा चुनाव लड़ने का संकेत दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर भगवान श्री कृष्ण की कृपा रही तो वह लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। तब उनके हिमाचल के मंडी सीट से चुनाव मैदान में उतरने के कयास लगाए जा रहे थे।

# पंजाब में जन्म और पढ़ाई, US का सनकी वकील; खालिस्तानियों का सबसे बड़ा चेहरा कैसे बना पन्नू

**नई दिल्ली।** खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या को लेकर कथित साजिश का मामला गरमाया हुआ है। द फाइनेंशियल टाइम्स अखबार ने सूत्रों के हवाले से पिछले सप्ताह पहली बार यह खबर प्रकाशित की थी कि अमेरिकी अधिकारियों ने पन्नू की हत्या की साजिश को नाकाम कर दिया था। इस साजिश में भारत सरकार के शामिल होने की आशंकाओं को लेकर चेतावनी भी दी थी। द वाशिंगटन पोस्ट की खबर में कहा कि बाइडन प्रशासन साजिश का पता चलने के बाद इतना चिंतित था कि उसने ह्वाइट हाउस के निदेशक विलियम जे बर्न्स और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक एवरिल हेन्स को अगस्त और अक्टूबर में जांच की मांग के लिए भारत भेजा था। सिख्स फॉर जस्टिस संगठन का नेता पन्नू आतंकवाद के अनेक आरोपों में भारतीय जांच एजेंसियों के लिए वांटेड है। खालिस्तान की मांग को लेकर पन्नू हाल के सालों में जोरशोर से आवाज उठाता रहा है। उसने पश्चिमी देशों में खालिस्तान को लेकर जनमत संग्रह कराए हैं। साथ ही खालिस्तान की मांग को लेकर दीवारों पर लिखने और खालिस्तानी झंडे फहराने के लिए भारतीय सिखों को पुरस्कार देने की भी घोषणा की है। भारत में पन्नू के खिलाफ आतंक और देशद्रोह को लेकर करीब दो दर्जन (24) मामले दर्ज हैं। गुरपतवंत सिंह पन्नू खालिस्तानी मूवमेंट के सबसे बड़े चेहरे के तौर पर सामने आया है। उसने भारत और हिंदुओं को खुलेआम धमकी दी है। साथ ही एयर इंडिया की फ्लाइट्स में बम धमाके करने की चेतावनी भी दे चुका है।

**सिख दंगे को लेकर US में फाइल किया केस**

सवाल है कि कैसे एक अमेरिकी नागरिक खालिस्तानी आंदोलन का इतना बड़ा चेहरा बन गया। पन्नू ने एक सनकी कार्यकर्ता के तौर पर अपनी शुरुआत की। वह यूएस जाने

वाले भारतीय नेताओं के खिलाफ अमेरिकी अदालतों में केस फाइल कराने लगा। इसमें उसने 1984 के सिख दंगों में उनकी कथित भूमिका को लेकर आरोप लगाए। मालूम हो कि अमृतसर में स्थित खानकोट पन्नू का पैतृक गांव है। सरजान सिंह भी यहीं के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा, हमारे गांव बच्चे हमें गर्व से सम्मानित करते रहे हैं मगर गुरपतवंत ने इस सम्मान को ठेस पहुंचाई है। उसने इसे आतंकियों के गांव के रूप में पहचान दिला दी जो कि बहुत शर्मिंदगी की बात है।

**पंजाब यूनिवर्सिटी से पढ़ाई, SFJ का गठन**

पन्नू के पिता मंडी बोर्ड में काम करते थे। रिटायरमेंट के बाद वह लुधियाना चले गए। पन्नू ने चंडीगढ़ में स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की। इसके बाद 90 के दशक के आखिर में वह अमेरिका चला गया। वकील बनने की ट्रेनिंग लेने से पहले उसने वॉल स्ट्रीट पर मेरिल लिंच के लिए काम किया। सिख फॉर जस्टिस के गठन के बाद वह लोगों की नजर में आया। भारत ने 2009 में एसएफजे समेत कई दूसरे संगठनों पर बैन लगा दिया। पन्नू SFJ का कानून सलाहकार और प्रवक्ता है। फिलहाल इस आतंकी संगठन का वही सबसे बड़ा चेहरा भी है।

**खालिस्तानी जनमत संग्रह से सुर्खियों में आया**

पन्नू को पहले खालिस्तानी गुट के सनकी कानूनी सलाहकार के रूप में देखा जाता था। उसने कई पश्चिमी देशों में स्वच्छ की ओर से खालिस्तान की मांग को लेकर जनमत संग्रह कराए। इससे उसे वैश्विक खालिस्तानी लीडर के रूप में पहचान मिली। माना जाता है कि खालिस्तान को लेकर रेफरेंडम कराना पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI के दिमाग की उपज है। इस अभियान को रेफरेंडम 2020 नाम दिया गया। इसके तहत 2020 में पंजाब में भी इसे लेकर जनमत संग्रह कराना था। शुरुआत में तो इस कैपेन को बहुत कम सपोर्ट मिला। हालांकि, हाल के दिनों में पश्चिमी देशों में रहने वाले हजारों सिखों को एसएफजे जनमत संग्रह में मतदान करते देखा गया। इसका मकसद खालिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन हासिल करना है।

## पंजाब सरकार ने गन्ने की कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाई

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को गन्ने की कीमत में 11 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की घोषणा की और कहा कि 391 रुपये प्रति क्विंटल की नई दर देश में सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले ही किसानों को आश्वासन दिया था कि उनके लिए अच्छी खबर आने वाली है। मान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 11 रुपये की बढ़ोतरी के साथ नई दर 391 रुपये प्रति क्विंटल होगी, जो देश में सबसे अधिक होगी। किसानों ने हाल ही में गन्ने का दाम 380 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 450 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने धानोवाली गांव के पास जालंधर-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग के जालंधर-फगवाड़ा हिस्से को अवरुद्ध कर दिया था। चौथे दिन किसान नेताओं और मुख्यमंत्री मान के बीच हुई बैठक के बाद धरना खत्म किया गया था। मान ने पिछले सप्ताह कहा था कि जहां तक गन्ने की दर बढ़ाने का सवाल है, पंजाब हमेशा आगे रहा है। पड़ोसी राज्य हरियाणा ने पिछले महीने गन्ने की कीमत 14 रुपये बढ़ाकर 386 रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा की थी।

## दिल्ली एनसीआर की हवा फिर जहरीली कई इलाकों में 400 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। साल के आखिरी महीने की शुरुआत से ही दिल्ली में हवा जहरीली होती दिखाई दे रही है। इस समय दिल्ली वालों को प्रदूषण के साथ-साथ ठंड की मार भी झेलनी पड़ रही है। शुक्रवार की सुबह 7 बजे के दिल्ली का एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। कई प्रमुख शहरों में भी प्रदूषण का स्तर 300 के पार ही दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर की आबोहवा एक बार फिर जहरीली होती नजर आ रही है। नवंबर की शुरुआत से ही दिल्ली-एनसीआर में सांस लेना दुश्वार हो गया है। पूरे नवंबर दिल्ली और इसके आसपास के इलाके में लोग साफ हवा में सांस लेने को तरस गए हैं। माह दिसंबर के पहले दिन दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। हालांकि, सप्ताह की शुरुआत में प्रदूषण स्तर में गिरावट देखी जा रही थी, जिसके कारण सुधार की उम्मीद थी, लेकिन अब प्रदूषण का स्तर दोबारा बढ़ने लगा है। इस समय दिल्ली वालों को प्रदूषण के साथ-साथ ठंड की मार भी झेलनी पड़ रही है। शुक्रवार की सुबह 7 बजे के दिल्ली का एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है। वहीं, दिल्ली के अधिकतर इलाकों में भी एक्यूआई 400 के पार रहा है। दिल्ली के आनंद विहार में शुक्रवार की सुबह 9 बजे एक्यूआई 407, द्वारका सेक्टर-8 में 400, जहांगीरपुरी में 402, लोधी रोड में 349, रोहिणी में 400, वजीरपुर में 423 और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट में एक्यूआई 381 दर्ज किया गया है। इसके अलावा, दिल्ली-एनसीआर में भी हवा की हालत काफी खराब बनी हुई है। नोएडा में एक्यूआई 360, ग्रेटर नोएडा में 376, गाजियाबाद में 340, फरीदाबाद में 380 और गुरुग्राम में एक्यूआई 330 दर्ज किया गया है। पिछले चौबीस घंटे के भीतर ही प्रदूषण के सूचकांक में 108 अंकों का इजाफा हुआ है। 18 इलाकों की हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। हवा की गुणवत्ता आंकने का एक सूचकांक है, जिससे यह पता लगाया जाता है कि एक शहर की हवा कितनी प्रदूषित है। एक्यूआई को अलग-अलग स्तर पर बांटा गया है, ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि कहां-कैसी स्थिति है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब, 401 से 500 के बीच गंभीर श्रेणी में माना जाता है।

## बेंगलुरु के 15 निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

बेंगलुरु । कर्नाटक में बेंगलुरु के 15 निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी शुक्रवार 1 दिसंबर को ई-मेल के द्वारा दी गई। सभी स्कूलों को एक साथ ई-मेल आया, जिसमें दावा किया गया कि स्कूलों के अंदर बम रखे गए हैं। इसके बाद स्कूल प्रशासन ने पुलिस को तुरंत इसकी सूचना दी। पुलिस से स्कूलों से स्टूडेंट्स को बाहर निकलकर तलाशी शुरू की। मौके पर बम डिस्पोजल स्क्वॉड की टीम पहुंची। हालांकि, अभी तक कुछ नहीं मिला है। बेंगलुरु पुलिस ने बताया कि सभी स्कूल शहर के अलग-अलग हिस्सों में हैं। अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। बम की सूचना पर स्टूडेंट्स के पेरेंट्स अपने-अपने बच्चों को लेने के लिए आ गए थे। इससे अफरा-तफरी मच गई। सभी छात्रों और स्कूल स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। घबराने वाली कोई बात नहीं है। पुलिस ने बताया कि पिछले साल बेंगलुरु के सात स्कूलों को इस तरह बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, लेकिन यह सिर्फ अफवाह निकली। घटना की सूचना के बाद कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार एक स्कूल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। डिप्टी सीएम ने कहा, मैंने स्कूल में बम की खबर टीवी पर देखी तब घबरा गया। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें कुछ मेरे घर के पास हैं। पुलिस ने मुझे ई-मेल दिखाया है। यह फर्जी लग रहा है। हम 24 घंटे में उन्हें पकड़ने की तैयारी में जुट गए हैं। साइबर क्राइम पुलिस सक्रिय है, वे अपना काम कर रहे हैं। मैंने पुलिस से बात की, लेकिन हमें सतर्क रहना चाहिए।

## 2 हजार के करीब 97 फीसद नोट वापस आए

नई दिल्ली। आरबीआई ने बताया है कि 19 मई 2023 तक जितने 2000 के नोट सर्कुलेशन में थे उसमें से 97.26 फीसदी बैंकिंग सिस्टम में वापस आ गए हैं। 19 मई तक 3.56 लाख करोड़ की वैल्यू के 2000 वाले नोट सर्कुलेशन में थे। 30 नवंबर 2020 तक केवल 9,760 करोड़ की वैल्यू के 2000 वाले नोट सर्कुलेशन में रह गए हैं। आरबीआई ने यह बात कही है। आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये के नोट को सर्कुलेशन से बाहर कर दिया था। केंद्रीय बैंक ने इसके पीछे क्लीन नोट पॉलिसी का हवाल दिया था। हालांकि, 2000 के नोट को अमान्य नहीं किया गया था। इसके बाद करीब 4 महीने का समय 2000 के नोट वापस करने या बदलवाने के लिए दिया गया था। पहले अंतिम तारीख 30 सितंबर रखी गई। बाद में बढ़कर 7 अक्टूबर किया गया। तब तक नोट किसी भी बैंक या आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस में बदले जा सकते थे। अब 2000 रुपये के नोट आप आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस के जरिए भेज सकते हैं। इसके अलावा आप इंडिया पोस्ट के जरिए भी नोट को आरबीआई के ऑफिस भेज सकते हैं। ऐसा करते समय इस बात का ध्यान रखें कि प्रक्रिया पूरी तरह सही हो और वैलिड पहचान पत्र के साथ होना चाहिए। पहचान पत्र में पैन कार्ड, आधार कार्ड व ड्राइविंग लाइसेंस मान्य हैं। नोट जमा करने के बाद उतनी वैल्यू आपके अकाउंट में दिखने लगेगी।

## जलवायु परिवर्तन पर भारत अपनी विस्तारित निधि पर रहेगा कायम

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के मामले में भारत की अपनी नीति है, उसको कायम रखने के लिए सरकार ने हमेशा ही अपना पक्ष मजबूती से रखा है। जलवायु परिवर्तन के लिए विकासशील देशों को मुआवजा देने के लिए भारत एक विस्तारित निधि पर दे जोर दे सकता है। वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन 30 नवंबर को शुरू होगा और 12 दिसंबर, 2023 को समाप्त होगा। ऊर्जा परिवर्तन को तेज करने और उत्सर्जन में कटौती करने के उद्देश्य से 70,हजार से अधिक प्रतिनिधियों के सीओपी 28 में भाग लेने की उम्मीद है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जलवायु परिवर्तन सम्मेलन की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। पिछले साल सीओपी 27 में, प्रतिकूल जलवायु परिवर्तन प्रभावों से पीड़ित विकासशील देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए पार्टियों द्वारा हानि और क्षति कोष पर सहमति व्यक्त की गई थी। हानि और क्षति कोष एक प्रकार का क्षतिपूर्ति पैकेज है जहां अमीर देशों को विकासशील देशों को नुकसान की लागत का भुगतान करना पड़ता है, जो जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। वैश्विक हानि और क्षति निधि (हानि और क्षति निधि) का संचालन सीओपी 28 में एक प्रमुख फोकस होगा, जिसमें पात्रता आवश्यकताओं, धन स्रोतों, निधि के दायरे और क्या विश्व बैंक अंतरिम ट्रस्टी और मेजबान के रूप में काम करेगा पर विचार शामिल है। संयुक्त राष्ट्र के वरिष्ठ अधिकारी ने को बताया कि शुरुआती चार साल की अवधि के लिए यह फंड दिया जाएगा। एक विकासशील देश होने के नाते, सीओपी 28 शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण बनी हुई है। भारत ग्रीनहाउस गैसों के शीर्ष उत्सर्जकों में से एक है और यहां दुनिया की सबसे बड़ी आबादी भी रहती है। तीन साल में दूसरी बार प्रधानमंत्री मोदी वार्षिक जलवायु सम्मेलन में शामिल होंगे. सरकारी अधिकारियों के अनुसार, आगामी सीओपी 28 को भारत के लिए अपनी जी 20 उपलब्धियों को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में देखा जा रहा है।

# तेलंगाना चुनाव में व्यस्त रहा और आंध्र प्रदेश नें बांध पर कर लिया कब्जा

**हैदराबाद (एजेंसी)।** तेलंगाना से एक चौंकाने वाली खबर आई है। खबर पानी चोरी की है। ये चोरी भी किसी पेशेवार चोर ने नहीं की है। बल्कि एक सरकार पर ही इस तरह के आरोप लग रहे हैं। आंध्र प्रदेश सरकार पर आरोप है कि उसने पहले से पानी चोरी की तैयारी कर ली थी। इधर तेलंगाना में चुनाव होंगे ओर आंध्रप्रदेश सरकार बांध का पानी अपनी तरफ मोड़ लेगी। यहां का प्रशासन चुनाव में इस कदर व्यस्त हो गया कि राज्य में कहां क्या चल रहा है इसकी किसी को कोई भनक ही नहीं लगी। कृष्णा नदी पर बने नागार्जुन सागर बांध के आधे हिस्से को आंध्र प्रदेश ने अपने कंट्रोल में ले लिया और पानी अपनी ओर मोड़ लिया। मालूम हो कि साल 2014 से ही तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच बांध को लेकर विवाद चला आ रहा है जब ये दोनों राज्य अलग हुए थे। दोनों राज्यों के अलग होने के बाद से ही पानी को लेकर विवाद होता रहा है और उसका कोई स्थाई समाधान नहीं निकाला गया है।

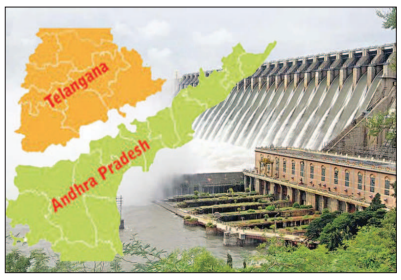


तेलंगाना की के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) सरकार ने इसे लेकर कृष्णा रिवर मैनेजमेंट बोर्ड से शिकायत की है। इसमें आंध्र प्रदेश की वायएसआरसीपी सरकार की ओर से बांध पर कब्जा जमाने और कुछ हिस्सों पर बैरिकेड लगाने का आरोप है। केआरएमबी ही दोनों राज्यों के बीच पानी का बंटवारा करता है। आंध्र प्रदेश पुलिस के करीब 400 जवान राज्य सिंचाई अधिकारियों के साथ गुरुवार को रात 1 बजे तक बांध के पास मौजूद रहे। इस तरह चुनावी राज्य तेलंगाना की पुलिस को हैरत में डालते हुए उन्होंने बांध के 36 गेट्स में से आधे पर कंट्रोल स्थापित कर लिया। जब तेलंगाना के अधिकारी और कुछ पुलिसकर्मी नालगोंडा में बांध के पास पहुंचे तो इसे लेकर आंध्र प्रदेश के पुलिसकर्मियों के साथ उनकी बहस होने लगी। इस पर एपी अधिकारियों ने तर्क दिया कि वे लोग अपनी सरकार से मिले आदेश का पालन कर रहे हैं। इस तरह की बातें सुनकर तेलंगाना के अधिकारी वापस लौट गए।

रिपोर्ट के मुताबिक तेलंगाना के अधिकारियों ने बताया कि आंध्र प्रदेश की ओर से इस तरह की हरकत 3 साल पहले भी की गई थी जिसे नाकाम कर दिया गया। सीएम केसीआर की ऑफिस के सीनियर अधिकारी ने बताया, हमें जानकारी मिली है कि आंध्र प्रदेश सरकार 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़ रही है। रेगुलेटर गेट्स के लिए उन्होंने अलग से पावर लाइन की व्यवस्था की है। इससे साफ पता चलता है कि आंध्र प्रदेश सरकार बीते कई हफ्तों से इसकी तैयारी कर रही थी। उन लोगों ने सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ डाले हैं।

## भाजपा सबसे धनी पार्टी... वित्तीय वर्ष 2022-23 में मिला 720 करोड़ का चंदा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चुनावों के दौरान काफी अच्छा चंदा मिला है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनियों, चुनाव ट्रस्ट, व्यक्ति और सांसदों पर जमकर और दिल खोलकर दान मिला है। भाजपा को कुल मिलाकर वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 720 करोड़ रुपये का चंदा मिला। भाजपा को इसके पहले वर्ष 2020-21 में 477 करोड़ रुपये का चंदा मिला था, जिसमें हर वर्ष बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इस वर्ष अक्टूबर के महीने में ही निर्वाचन आयोग में चंदा रिपोर्ट को दाखिल किया गया है। निर्वाचन आयोग ने चंदा रिपोर्ट को सार्वजनिक किया है। इस सार्वजनिक हुई रिपोर्ट के बाद सामने आया है कि सत्तारुढ़ दल भाजपा को साल 2022-23 के दौरान 719.83 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। इस हिसाब से भाजपा ही देश की सबसे धनी पार्टी बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारती एंटरप्राइजेज समर्थित 'प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट' ने 254.75 करोड़ रुपये का चंदा दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रस्ट द्वारा चंदा कई किस्तों में दिया गया। राजनीतिक दलों को हर साल एक वित्तीय वर्ष में 20,000 रुपये से अधिक का चंदा देने वालों का विवरण निर्वाचन आयोग को जमा करना होता है। बता दें कि चुनाव कानून प्रावधानों के मुताबिक 20 हजार रुपये से अधिक खर्च करने की अनुमति वाले चुनाव के लिए मिले चंदे की रिपोर्ट चुनाव आयोग को दाखिल करनी होती है। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद से पार्टी के चंदे में इजाफा हुआ है। पार्टी उसके बाद से लगातार शीर्ष पर काबिज है।

# आरएसएस पर राहुल गांधी का फिर से वार,

## बताया पुरुषों का संगठन, बोले- महिलाओं को कभी नहीं दिया मौका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए और अगले 10 वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत महिलाओं को मुख्यमंत्री बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। केरल महिला कांग्रेस के सम्मेलन %उत्साह% का उद्घाटन करते हुए वायनाड सांसद ने कहा कि उनकी पार्टी में कई महिला नेता हैं जिनमें मुख्यमंत्री बनने के लिए आवश्यक गुण हैं। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस की महिलाओं से भरा यह हॉल देखकर मुझे काफी खुशी हो रही है। दिक्कत बस यही है कि मंच पर सिर्फ पुरुषों का ही बोलबाला है। लेकिन अब हमारा काम यह सुनिश्चित करना है कि कांग्रेस पार्टी के हर स्तर पर महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी हो।

### निशाने पर भाजपा

राहुल ने कहा कि यह पहली बार है जब मैंने संसद में कोई विधेयक पारित होते देखा है जिसे एक दशक बाद लागू किया जाएगा। भाजपा जिस एकमात्र विधेयक को पारित होने के 10 साल बाद लागू कर रही है, वह महिला शक्ति से संबंधित है। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य लड़ाई यह है कि महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। राहुल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम की तस्वीरों में आप महात्मा गांधी जी को हमेशा महिलाओं के साथ खड़े देखेंगे। आजादी की लड़ाई में महिलाएं सबसे आगे थीं।

### आरएसएस पर वार

पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि कांग्रेस में कई महिला अध्यक्ष रहीं। महिलाओं को सत्ता संरचना का हिस्सा होना चाहिए। आरएसएस के इतिहास में, इसने कभी भी महिलाओं को अपने खेमे में आने की अनुमति नहीं दी है। आरएसएस में महिलाओं को सत्ता में हिस्सेदारी की इजाजत नहीं। उन्होंने कहा कि हम मूलतः महिलाओं को सत्ता संरचना में लाना चाहते हैं। हमारी अधिकांश योजनाएं महिलाओं की सहायता के लिए बनाई गई हैं।

### मोहब्बत की दुकान

कांग्रेस नेता ने कहा कि आज के राजनीतिक माहौल में, जो नफरत और हिंसा से भरा हुआ है, महिलाएं सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। यह महत्वपूर्ण है कि महिला कांग्रेस हमारे विपक्ष द्वारा प्रचारित नफरत और हिंसा के माहौल से लड़े। मैं उन लाखों कांग्रेस महिलाओं को धन्यवाद देता हूं जो हर दिन हमारी विचारधारा के लिए लड़ती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी होने का क्या मतलब है? हम दूसरों से कैसे भिन्न हैं? जवाब में उन्होंने कहा कि हम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलते हैं।

## 3 दिसंबर को आने वाले चक्रवाती तूफान ने बढ़ाई चिंता, कई राज्यों में होगी बारिश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि 3 दिसंबर के आसपास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान आने की संभावना है। हालांकि, इसका असर ओडिशा तक जाने की संभावना नहीं है। आईएमडी ने कहा है कि संभावित चक्रवात के प्रभाव का आकलन शुक्रवार को समुद्र में दबाव बनने के बाद ही किया जा सकता है। आईएमडी वैज्ञानिक उमाशंकर दास ने कहा कि संभावित चक्रवात के मार्ग और अन्य मापदंडों का अनुमान अवसाद के गठन के बाद ही लगाया जा सकता है। इसलिए हमने ओडिशा या तट पर किसी अन्य स्थान पर प्रभाव के बारे में कुछ नहीं बताया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगले चार दिनों तक ओडिशा तट के लिए कोई चेतावनी नहीं है। उन्होंने कहा कि ओडिशा तट के लिए मछुआरों के लिए भी कोई चेतावनी नहीं है। 2 दिसंबर की सुबह से 50-60 किमी प्रति घंटे से लेकर 70 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवा चलने की संभावना है। आईएमडी ने बताया कि इसकी शुरुआत शुक्रवार को ही हो जाएगी।

आईएमडी ने एक विशेष बुलेटिन में कहा कि दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर पर कम दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित हो गया है। मौसम एजेंसी ने कहा कि इसके पश्चिम-

उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान बंगाल की दक्षिण-पूर्व खाड़ी के ऊपर एक दबाव में तब्दील होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ते हुए यह धीरे-धीरे तीन दिसंबर के आसपास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। इसके बाद यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों तक पहुंचेगा। 4 दिसंबर की सुबह के आसपास एक चक्रवाती तूफान के रूप में बदल जाएगा।

## अंजू के लौटते ही पंजाब पुलिस और आईबी ने की लंबी पूछताछ

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राजस्थान की रहने वाली अंजू 4 महीने बाद भारत लौट आई हैं। अंजू के लौटते ही अमृतसर में पंजाब पुलिस और आईबी ने लंबी पूछताछ की। अंजू ने उन्हें भारत लौटने का मकसद बताया। इसके बाद अंजू अमृतसर से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां से अपने पिता के घर ग्वालियर के लिए रवाना होंगी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचते ही अंजू ने कहा कि मैं सभी सवालों के जवाब दूंगी। लेकिन अभी नहीं। लेकिन अंजू ने आईबी और पंजाब पुलिस को घर वापसी की वजह बता दी है। बताया कि वहां यहां अपने पहले पति अरविंद से तलाक लेंगी। फिर बच्चों को भी पाकिस्तान ले जाने की कोशिश करेंगी। फिलहाल अंजू दिल्ली में हैं। यहां से ग्वालियर के लिए रवाना होंगी। भारत पहुंचते ही अंजू ने मीडिया के सामने पाकिस्तान की जमकर तारीफ की। अंजू ने कहा कि वहां की मेहमाननवाजी बहुत अच्छी रही। भारत लौटकर भी काफी खुश हूं।

पंजाब पुलिस और आईबी में अंजू ने खुलासा किया कि वह 21 जुलाई 2023 को पाकिस्तान गई थीं। बताया कि वहां नसरुल्लाह से उन्होंने निकाह कर लिया। लेकिन शादी से संबंधित कोई भी दस्तावेज अंजू पुलिस को दिखा नहीं सकी। इसके साथ अंजू ने पाकिस्तानी रक्षाकर्मियों के साथ किसी भी तरह के संबंध से इंकार किया। अंत में उन्होंने कहा कि वह अपने भारतीय पति से तलाक लेने के बाद अपने बच्चों को पाक ले जाने की कोशिश करेंगी। उधर इस बारे में जब अंजू के पति अरविंद से बात करने की कोशिश की गई वहां अंजू का नाम सुनते ही भड़क गए। उन्होंने दो टूक कहा कि मुझे उसके बारे में कुछ नहीं पता। बता दें कि अंजू राजस्थान के भिवाड़ी में अपने पति अरविंद और दो बच्चों के साथ रहती थी। वह टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान घूमने गई थी, लेकिन बाद में पता चला कि वह खैबर पख्तूनख्वा में रहने वाले नसरुल्लाह से मिलने पहुंच गई है।

# सपा पर बरसे सीएम योगी , गलत तथ्य पेश करने का लगाया आरोप, बोले- यूपी के प्रति लोगों की बदली धारणा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि डबल इंजन सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य के प्रति धारणा बदल गई है और आज लोग यूपी को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। मुख्यमंत्री ने यह बयान विधानसभा को संबोधित करते हुए दिया। अपने बयान में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार और पीएम मोदी के मार्गदर्शन में मैं एक आम आदमी और एक जनप्रतिनिधि के तौर पर यह कह सकता हूं कि राज्य के प्रति धारणा बदल गई है। आज लोग यूपी की ओर सम्मान की दृष्टि से देखते हैं।

### सपा पर वार

सीएम योगी ने पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी (समाजवादी पार्टी) सरकार विधानसभा में गलत तथ्य पेश करती थी और लोग उनके कुकर्मों को नहीं भूले हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 4 बार सपा की सरकार रही। आज उत्तर प्रदेश के प्रति लोगों का नजरिया बदल गया है। ये नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है। उन्होंने कहा कि हमारा यूपी आगे बढ़ेगा, आर्थिक प्रगति करेगा तो विपक्षियों को भी खुश होना चाहिए।

योगी ने कहा कि 2016-17 में यूपी की जीएसडीपी करीब 13 लाख करोड़ रुपये थी। आज 2023-24 में ये करीब 24.5 लाख करोड़ रुपये है। राज्य का बजट बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि कुल में से देश की 16 फीसदी आबादी राज्य में रहती है। 2017 के बाद से औसत बजट दोगुना हो गया है। हम इस बजट के साथ राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

### अखिलेश पर तंज

योगी आदित्यनाथ ने विवेकाधीन कोष से जरूरतमंदों को आर्थिक सहायता देने में कोई भेदभाव नहीं करने का दावा करते हुए कहा कि उनकी सरकार द्वारा समय पर उठाए गए कदमों के कारण राज्य में डेंगू नियंत्रण में है। सदन में समाजवादी पार्टी (सपा) और विपक्ष के नेता अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री पर तंज करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि उन्हें एमबीबीएस की डिग्री मिल गई है। यादव ने प्रदेश के अस्पतालों में उपचार के पर्याप्त बंदोबस्त नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसकी वजह से राज्य में अनेक लोगों की मौत हुई है।

# खालिस्तानी पन्नू के चक्कर में भारत से पंगा नहीं लेगा अमेरिका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** खालिस्तान का समर्थन करने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश का मामला शांत नहीं हो रहा है। बात इतनी बिगड़ी कि भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में खटास की संभावना जताई जाने लगी। इस मामले में बीते रोज भारत की तरफ से भी बड़ी सधी हुई प्रतिक्रिया आई थी। जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने पन्नू की हत्या के मामले में रची गई साजिश में भारत सरकार का कहीं कोई जिक्र नहीं किया गया है। आज अमेरिका ने भी स्पष्ट कर दिया कि वो भारत से किसी भी सूरत में अपने संबंध खराब नहीं करेगा। मतलब साफ है कि एक खालिस्तानी पन्नू के लिए भारत के डेढ सौ करोड़ लोगों से अमेरिका पंगा नहीं लेगा। खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के आरोपों के बीच अमेरिका ने भारत के साथ मजबूत रिश्ते बरकार रखने पर जोर दिया है। हाल ही में वाइट हाउस के अधिकारी ने कहा कि अमेरिका, भारत का रणनीतिक साझेदार बना रहेगा।

खास बात है कि अमेरिका ने एक भारतीय निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल होने के आरोप लगाए थे। वाइट हाउस के अधिकारी जॉन किर्बी ने कहा, हम आरोपों और जांच को बेहद गंभीरता से ले रहे हैं। हम इस बात की खुशी है कि इस मामले की जांच में अपनी तरफ से प्रयास की घोषणा कर भारतीय भी (इसे गंभीरता से ले रहे हैं)। हमारा मत साफ है कि इन कथित आरोपों में शामिल व्यक्ति को हम उचित तरीके से जवाबदेह ठहराया जाए।

खबरों के अनुसार, अमेरिका में संघीय अभियोजकों ने एक भारतीय नागरिक पर एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या की नाकाम साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया। दक्षिणी न्यूयॉर्क जिले के अमेरिकी अटॉर्नी मैथ्यू जी. ऑलसेन ने कहा कि निखिल गुप्ता (52) के खिलाफ हत्या के लिए सुपारी देने का आरोप लगाया गया है, जिसमें अधिकतम 10 साल जेल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि साथ ही गुप्ता पर सुपारी देकर हत्या की साजिश रचने का भी आरोप है जिसमें भी अधिकतम 10 साल जेल की सजा का प्रावधान है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि गुप्ता ने न्यूयॉर्क शहर में रहने वाले सिख अलगावादी नेता की हत्या के लिए हत्यारे को एक लाख अमेरिकी डॉलर देने की बात स्वीकार कर ली थी। आरोपों के अनुसार, नौ जून 2023 या उसके आसपास गुप्ता ने हत्या के लिए सुपारी दी थी, जिसके अग्रिम भुगतान के रूप में उन्होंने न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में हत्यारे को 15 हजार अमेरिकी डॉलर नकद देने के लिए एक सहयोगी की भी व्यवस्था की थी।

आरोप हैं कि गुप्ता कथित तौर पर भारत सरकार के एक अधिकारी के साथ काम करता था। हालांकि, उस अधिकारी का नाम अब तक सामने नहीं आया है। इस पर भारत ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है और चिंता का विषय बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, जहां तक अमेरिकी कोर्ट में एक व्यक्ति के खिलाफ केस की बात है, जहां उसे कथित तौर पर भारतीय अधिकारी से जोड़ा गया है, यह चिंता की बात है। साथ ही उन्होंने इसे भारत

सरकार की नीतियों के विपरीत बताया है। इसके अलावा भारत आरोपों की जांच के लिए टीम भी गठित कर चुका है। मंत्रालय ने पहले बताया था कि जांच समिति से मिलने वाली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## कनाडा के मीडिया फर्मों को सालाना 612 करोड़ देगा गूगल

टोरंटो । गूगल कनाडा की मीडिया फर्मो को 612 करोड़ रूपया प्रतिवर्ष देगा। यह राशि मीडिया कंपनियों के कंटेंट को इस्तेमाल करने के लिए दी जाएगी।इस आशय का समझौता गूगल और कनाडा सरकार के बीच में हुआ है। गूगल अन्य देशों में इस तरीके की रॉयल्टी मीडिया फर्म को नहीं देता है। गूगल अपने आप को स्वतंत्र आउटलेट बनाकर सरकारी मीडिया और बहुभाषी मीडिया से समाचार संगठनों को कनाडा में 612 करोड रुपए का भुगतान करेगी। कनाडा सरकार के अनुसार प्रत्येक पात्र मीडिया फर्म को उनके यहां कार्यरत कर्मचारियों की संख्या के आधार पर इस राशि का वितरण किया जाएगा। संसदीय बजट रिपोर्ट में कहा गया है कि मीडिया कंपनियां नए फंड मैं 2000 करोड रुपए की मांग कर रही थी। लेकिन 670 करोड रुपए में अभी यह समझौता हुआ है।कनाडा ने जो रास्ता खोला है, दुनिया के अन्य देश भी धीरे-धीरे उसी रास्ते पर चलेंगे। क्योंकि गूगल कॉपीराइट के तहत जो भी उसके सर्वर में जाता है। उसे अपना कॉपीराइट मान लेता है। जबकि कंटेंट के निर्माण में उसका कोई योगदान नहीं होता है। गूगल एकाधिकार के बल पर अभी तक इस तरीके के कंटेंट लेकर कोई भी भुगतान नहीं करता था। कनाडा सरकार के कड़क रुख अख्तियार करने के बाद गूगल और मेटा को यह भुगतान करना पड़ रहा है।

## आपूर्ति होने वाले तेल में कटौती जारी रखेगा सऊदी अरब

दुबई । सऊदी अरब विश्व को आपूर्ति होने वाले तेल में कटौती को आगे बढ़ाएगा। देश के ऊर्जा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। प्रमुख तेल उत्पादक देशों के ओपेक प्लस गठबंधन के सदस्यों द्वारा उत्पादन में की गई सिलसिलेवार कटौती के द्वारा कीमतों को बढ़ाने में विफल रहने के बाद सऊदी अरब ने यह कदम उठाया है। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि प्रतिदिन 10 लाख बैरल की स्वैच्छिक कटौती अगले साल के पहले तीन महीनों तक जारी रहेगी।

## अमेरिका में भारतीय छात्र से बर्बरता, 7 माह तक बंद रखकर पीवीसी पाइप से पीटा

वॉशिंगटन । अमेरिका के मिसौरी प्रांत में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक भारतीय छात्र के साथ बर्बरता हुई है। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान वेंकटेश (35), श्रवण वर्मा (27), और निखिल वर्मा (23) के रूप में हुई है। भारतीय छात्र को करीब सात महीने से भी अधिक समय तक बंधक बनाकर रखकर घर का काम करने के लिए मजबूर किया गया। इतना ही नहीं पीड़ित छात्र को आरोपित पीवीसी पाइप से मारते थे। रिपोर्ट के अनुसार, 20 वर्षीय पीड़ित को पास के रेस्तरां के कूड़ेदानों में कूड़ा-कचरा ढूंढने के लिए मजबूर किया गया और उस बिजली के तार, पीवीसी पाइप, छड़, लकड़ी के बोर्ड, लाठियों और वॉशिंग मशीन की पाइप से पीटा गया। तीन प्रतिवादियों पर अप्रैल 2023 से शुरू होने वाले डिफेंस, डार्डेन प्रेयरी और ओ'फालोन में सत्तारू के स्वामित्व वाले तीन अलग-अलग घरों में पीड़िता को कैद करने और दुर्व्यवहार करने का आरोप है। जांचकर्ताओं ने सत्तारू की पहचान सरगना के रूप में की थी और वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ ओ'फालोन घर में रहता है। मामले में मुख्य संदिग्ध, 35 वर्षीय सत्तारू पर दासता के उद्देश्य से मानव तस्करी और दस्तावेज़ के दुरुपयोग के माध्यम से मानव तस्करी में योगदान देने का अतिरिक्त आरोप लगाया गया है।

## पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की नाक में दम कर रही महिला आतंकी

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने महिला आतंकियों के खिलाफ बड़ा कदम उठकर एफआईआर दर्ज किया है। पुलिस ने 51 महिला आतंकियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। इन महिलाओं पर कई आतंकी हमले को अंजाम देने का आरोप है। खुफिया एजेंसी ने रिपोर्ट जारी की है, जिसमें बताया गया है कि 2014 से 30 नवंबर 2023 तक 51 महिलाएं आतंकवाद के मामले में सीधे तौर पर शामिल पाई गई हैं। कई आतंकी संगठनों से जुड़ी हैं ये महिला आतंकी। बता दें कि इसी साल सितंबर के महीने में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) आतंकवादी समूह से जुड़ी पांच महिला आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था।

## न्यूजीलैंड सरकार धूम्रपान से प्रतिबंध हटाएगी और स्कूलों में मोबाइल को बैन करेगी

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड सरकार ने धुम्रपान से प्रतिबंध हटाने का चौकाने वाला फैसला लिया है और दूसरी तरफ स्कूलों में मोबाइल को पूरी तरह बैन करने की भी तैयारी कर ली है। एक दिन पहले नई सरकार पूर्व प्रधानमंत्री जेसिका अर्डन द्वारा पिछले वर्ष अनुमोदित तंबाकू प्रतिबंधों को निरस्त कर अचानक सुर्खियों में आ गई थी। नए प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सिगरेट पर आजीवन प्रतिबंध हटाने को लेकर 100 दिनों के लिए महत्वाकांक्षी एजेंडा जारी किया है। दरअसल, न्यूजीलैंड के नए प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने कार्यालय में अपने पहले 100 दिनों के लिए महत्वाकांक्षी एजेंडा जारी किया है। इसमें 49 कार्रवाइयों की रूपरेखा तैयार की गई है, जिसके तहत रूढ़िवादी सरकार अगले तीन महीनों में इसे लागू कर सकती है। आलोचकों का कहना है कि यह योजना सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक झटका और तंबाकू उद्योग के लिए एक जीत है। दो शिक्षा पहल को भी लागू करने की योजना है, जिसमें स्कूलों को हर दिन एक घंटा पढ़ना, लिखना और गणित पढ़ाना है। दूसरा सेलफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना शामिल है। कुछ मतदाताओं के बीच इस भावना को दर्शाता है कि स्कूल अपने प्राथमिक मिशन से भटक गए हैं। पहला नया कानून जो क्रिस्टोफर लक्सन पारित करने की योजना बना रहे है, वह पूरी तरह से मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने पर ध्यान केंद्रित करने के केंद्रीय बैंक के अधिकार क्षेत्र को सीमित कर देगा। इससे कम मुद्रास्फीति और उच्च रोजगार पर रिजर्व बैंक का मौजूदा दोहरा फोकस बदल जाएगा। 6 साल से सत्ता में रही पिछली उदार सरकार की पहल को निरस्त करने के लिए 100-दिवसीय योजना की कई कार्रवाइयों को शामिल किया गया। नए प्रयासों में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को दोगुना करने की योजना भी शामिल है। कई योजनाएं विवादास्पद साबित हो रही हैं, जिनमें पिछली सरकार द्वारा पिछले वर्ष अनुमोदित तंबाकू प्रतिबंधों को निरस्त करना भी शामिल है। इनमें सिगरेट में निकोटीन का निम्न स्तर, कम खुदरा विक्रेता और युवाओं के लिए आजीवन प्रतिबंध लगाना भी शामिल हैं। लक्सन की सरकार ने कहा कि तंबाकू प्रतिबंधों को समाप्त करने से अधिक कर डॉलर आएंगे। हालांकि, लक्सन ने बुधवार को कहा कि यह पैसे के बदले स्वास्थ्य का व्यापार करने का मामला नहीं था। लक्सन ने कहा, हम यथास्थिति पर कायम हैं।

## मस्क के निजी जेट को ट्रैक करने वाला छात्र फोर्ब्स की 30 अंडर 30 सूची में

सैन फ्रांसिस्को । एलन मस्क के निजी जेट को ट्रैक करने वाले कॉलेज छात्र जैक स्वीनी को फोर्ब्स की 30 अंडर 30 सूची में नामित किया गया है। इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल फ्लोरिडा में पढ़ने वाली 21 वर्षीय स्वीनी को फोर्ब्स की उपभोक्ता प्रौद्योगिकी उद्यमियों की सूची में सुचीबद्ध किया गया था। फोर्ब्स की प्रोफाइल में लिखा है ?कि जैक स्वीनी ने ऐसे बॉट बनाए हैं, जो मार्क क्यूबन, टेलर स्विफ्ट और विभिन्न रूसी कुलीन वर्गों सहित अमीर और प्रसिद्ध लोगों के निजी जेट को ट्रैक करते हैं और पत्रकारों, शोधकर्ताओं व शौकीनों को सोशल मीडिया पर विमानों को ट्रैक करने में मदद की है। स्वीनी के अनुसार यह स्वीकारोक्ति उन कई कारणों में से एक है, जिससे उन्हें खुशी है कि उन्होंने मस्क की इस मांग को नहीं माना कि वह अपने निजी जेट को ट्रैक करना बंद कर दें। स्वीनी ने कहा कि मैं आभारी हूं कि मुझे सूची में शामिल किया गया। इससे मुझे उन महान लोगों से मिलने का मौका, जो मुझे पसंद हैं। स्वीनी ने हाल के वर्षों में अमेरिकी गायक-गीतकार टेलर स्विफ्ट और मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग सहित दुनिया के कुछ सबसे प्रभावशाली लोगों के लिए उड़ान डेटा एकत्र और प्रकाशित किया है। वह मूल रूप से पिछले साल लोगों के ध्यान में तब आए, जब मस्क ने सोशल मीडिया पर अपनी उड़ान की जानकारी साझा करने से रोकने के लिए उन्हें 5,000 डॉलर की पेशकश की, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया और 50,000 डॉलर की मांग की। मस्क ने कहा कि वह इसके बारे में सोचेंगे, लेकिन उन्होंने भुगतान नहीं किया है। मस्क के कंपनी संभालने के बाद दिसंबर में स्वीनी के एक्स खातों को निलंबित कर दिया गया था। मस्क ने दावा किया कि खाता व्यक्तिगत सुरक्षा जोखिम था।

हमास और इजराइल के बीच बंधकों-कैदियों की अदला-बदली के समझौते के बीच रिहा किए गए बंधकों को ले जाने वाला एक हेलीकॉप्टर शुक्रवार को इजराइल के तेल अवीव के रामत गण में शीबा मेडिकल सेंटर पहुंचा।

## नेपाल में पीएम प्रचंड को लेकर दो घंटे पहले उड़ा विमान -31 यात्री नहीं कर सके सफर

काठमांडू । नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल प्रचंड को दुबई ले जा रहे नेपाल एयरलाइंस के एक विमान ने अपने निर्धारित समय से दो घंटे पहले उड़ान भरी, इससे यात्रियों को असुविधा हुई। इसकारण 31 यात्री काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गए। एयरलाइंस ने कहा कि बुधवार को, दुबई जाने वाली उड़ान-आरए 299 रात 11.30 बजे उड़ान भरने वाली थी, लेकिन उड़ान की वीवीआईपी स्थिति के कारण विमान ने रात 9.30 बजे ही उड़ान भर ली। एयरलाइंस ने कहा, ''पीएम प्रचंड उसी उड़ान में सवार थे और वह सीओपी28 शिखर सम्मेलन के लिए एक प्रतिनिधिमंडल के साथ दुबई के लिए रवाना हो रहे थे। इसकारण विमान को जल्दी रवाना करना पड़ा।'' इसके बाद में एयरलाइन ने एक नोटिस जारी कर, यात्रियों को हुई असुविधा के लिए माफी मांगी। सूची में 274 यात्री थे और उनमें से 31 लोग उड़ान में सवार नहीं हो सके, जिसे दो घंटे देरी से पुनर्निर्धारित किया गया। एयरलाइन ने कहा कि उसने मोबाइल फोन और ईमेल के जरिए विमान की रवानगी के नए समय के बारे में नोटिस जारी किया था लेकिन 31 यात्रियों ने कोई जवाब नहीं दिया।

# भविष्य को गढ़ने में कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार हैं भारत और यूएई

**दुबई (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'भारत को उम्मीद है कि संयुक्त अरब अमीरात की मेजबानी में आयोजित सीओपी 28 प्रभावी जलवायु कार्रवाई में नई गति लाएगा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात हरित और अधिक समृद्ध भविष्य को आकार देने के लिए साथ खड़े हैं। हम जलवायु कार्रवाई पर वैश्विक चर्चा को आगे बढ़ाने और उस पर अमल करने के अपने संयुक्त प्रयासों में दृढ़ हैं। विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई पहुंचे पीएम मोदी ने एक अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा कि जलवायु परिवर्तन एक सामूहिक चुनौती है जो एकीकृत वैश्विक प्रतिक्रिया की मांग करती है। पीएम मोदी ने कहा, 'यह पहचानना आवश्यक है कि विकासशील देशों ने समस्या के निर्माण में कोई योगदान नहीं दिया है। फिर भी विकासशील देश समाधान का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात हरित और अधिक समृद्ध भविष्य को आकार देने में भागीदार के रूप में खड़े हैं। मेरा मानना है कि जलवायु कार्रवाई समानता, जलवायु न्याय, साझा दायित्व और साझा क्षमताओं पर आधारित होना चाहिए। इन सिद्धांतों का पालन कर हम एक स्थायी भविष्य की तरफ एक रास्ता बना सकते हैं, जो किसी को भी पीछे नहीं छोड़ता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'पिछले नौ वर्षों में, भारत ने उदाहरण के तौर पर प्रदर्शित किया है कि देश जलवायु परिवर्तन से निपटने में अपनी भूमिका निभाने में सबसे आगे है। प्रधान मंत्री ने कहा,सीओपी 26 में, मैंने वैश्विक जलवायु कार्रवाई में हमारे योगदान के रूप में 'पंचामृत'- भारत की पांच महत्वाकांक्षी प्रतिबद्धताएं प्रस्तुत कीं।' पीएम मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से, वैश्विक स्तर पर, जलवायु दृष्टिकोण उतना सकारात्मक नहीं है, और ऐसी चिंताएं हैं कि हम एक वैश्विक समुदाय के रूप में अपने 2030 के लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर पाएंगे।

विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई पहुंचे हुए हैं। यहां पीएम मोदी कई अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इससे पहले पीएम मोदी ने शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात के एक अखबार को इंटरव्यू दिया। इसमें पीएम मोदी ने कई मुद्दों पर बातचीत की। पीएम मोदी ने कहा, 'भारत को उम्मीद है कि संयुक्त अरब अमीरात की मेजबानी में आयोजित सीओपी 28 प्रभावी जलवायु कार्रवाई में नई गति लाएगा। भारत और संयुक्त अरब अमीरात हरित और अधिक समृद्ध भविष्य को आकार देने के लिए साथ खड़े हैं। हम जलवायु कार्रवाई पर वैश्विक चर्चा को आगे बढ़ाने और उसपर अमल करने के अपने संयुक्त प्रयासों में दृढ़ हैं।

## ट्रम्प नेशनल गोल्फ क्लब की पूर्व कर्मचारी ने यौन उत्पीड़न का मुकदमा किया दायर

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर में ट्रम्प नेशनल गोल्फ क्लब की एक पूर्व कर्मचारी ने मुकदमा दायर कर दावा किया है कि उसके प्रबंधक ने उसका यौन उत्पीड़न किया और फिर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक निवर्तमान वकील ने एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ऐलिस बियान्को ने प्रतिष्ठान के खिलाफ दायर अपने मुकदमे में आरोप लगाया है कि उसे उसके बॉस पावेल मेलिचर ने पहनने के लिए 'बहुत छोटी वर्दी स्कर्ट' दी थी। बियान्को, जो उस समय 21 वर्ष की थी और एक सर्वर के रूप में काम करती थी, ने यह भी दावा किया कि मेलिचर, जो लगभग 50 वर्ष का था, ने उसे उपहारों से नहलाया और उसे 'संरक्षण' और नौकरी की सुरक्षा के बदले में यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। वकील ने दावा किया, जब बियान्को ने अग्रिमों को अस्वीकार कर दिया, तो मेलिचर ने उसके खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते हुए उसे अनुचित कार्य असाइनमेंट दिए और अपने गुर्गों को उसके साथ दुर्व्यवहार करने और उसकी युक्तियां चुराने की अनुमति दी। हालांकि, मेलिचर को मुकदमे में प्रतिवादी के रूप में नामित नहीं किया गया है। बियांको ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें जल्द ही पता चला कि उनके एक सहकर्मी ने क्लब में 'विषाक्त और कामुक कार्य वातावरण' के बारे में ट्रम्प के निजी कर्मचारियों को एक पत्र लिखने की योजना बनाई थी। पत्र वितरित होने के तुरंत बाद, बियांको ने कहा कि जुलाई 2021 में वकील अलीना हब्बा ने उनसे संपर्क किया था, जो क्लब की सदस्य थीं, लेकिन उस समय कानूनी रूप से ट्रम्प का प्रतिनिधित्व नहीं करती थीं। मुकदमे के अनुसार, हब्बा ने बियांको को अपने आरोपों को सार्वजनिक न करने और इसके समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए प्रोत्साहित किया। हब्बा ने कथित तौर पर कहा कि वह यह सुनिश्चित कर सकती है कि बियांको 'संरक्षित' रहे। बियान्को की वकील नैन्सी एरिका स्मिथ ने गुरुवार को सीएनएन को बताया, 'अलीना हब्बा ने मेरे मुवक्किल अली बियान्को को अनैतिक तरीके से चुप कराने का इस्तेमाल खुद को ट्रम्प के अंदरूनी घेरे में आगे बढ़ाने के लिए किया।'

## गाजा युद्ध पर स्पेन के पीएम की टिप्पणी पर भड़का इजरायल, राजनयिक संबंध पर पड़ा असर

**मैड्रिड (एजेंसी)।** इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा अपने स्पेनिश समकक्ष पेड्रो सांचेज की टिप्पणियों की आलोचना के बाद स्पेन और इजरायल के बीच राजनयिक संबंध खराब हो गए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में संघर्ष के बारे में स्पेनिश राज्य टीवी नेटवर्क आरटीवीई पर सांचेज ने गुरुवार को कहा कि हमास ने इजरायल में जो किया वह घृणित है।उन्होंने स्पेन द्वारा हमले की निंदा और अस्वीकृति पर जोर देते हुए कहा कि हमास को गाजा में अपने सभी बंधकों को बिना किसी शर्त के मुक्त करना होगा।

हालांकि, सांचेज ने यह भी कहा कि इजरायल को अपने कार्यों को अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून पर आधारित करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम जो तस्वीरें देख रहे हैं, और पीड़ितों की बढ़ती संख्या, जो मर रहे हैं, को देखते हुए मुझे इस बात को लेकर संदेह है कि वे (इजरायल) अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून को पूरा कर रहे हैं।' स्पेन के प्रधानमंत्री ने कहा कि गाजा में संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक राजनीतिक समाधान की आवश्यकता है और समाधान फिलिस्तीनी राज्य है।

उन्होंने तर्क दिया कि इजरायल पहले से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त देश है और अमेरिका और यूरोपीय देशों को भी फिलिस्तीन को मान्यता देनी चाहिए। सांचेज के बयान के जवाब में, इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा कि स्पेनिश राजदूत को ÷फटकार के लिए÷ इजरायली विदेश मंत्रालय में बुलाया गया था, उन्होंने इस टिप्पणी को शर्मनाक बताया। एक सप्ताह में यह दूसरी बार है जब इजरायल में स्पेन के राजदूत को फटकार के लिए बुलाया गया है। पिछले हफ्ते, मिस्र और गाजा के बीच रफा सीमा चौकी का दौरा करते समय गाजा पर इजरायली हमले की आलोचना करने के बाद इजरायल ने सांचेज पर आतंकवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया, जिसके बाद स्पेन ने मैड्रिड में इजरायल के राजदूत को बताया कि आरोप विशेष रूप से गंभीर है।

# आईडीएफ ने गाजा में शुरु की बमबारी, सीजफायर उल्लंघन के लगाए आरोप

### -इजराइल-हमास जंग फिर शुरु

**गाजा/तेल अवीव (एजेंसी)।** इजराइल और हमास के बीच करीब एक हफ्ते चले सीजफायर के बाद एक बार फिर गाजा में बमबारी शुरु कर जंग का ऐलान कर दिया गया है। दरअसल आईडीएफ ने हमास पर सीजफायर उल्लंघन के आरोप लगाते हुए गाजा में बमबारी शुरू कर दी है।

हमास और इजराइल के बीच चले करीब एक हफ्ते की सीजफायर के बाद एक बार फिर जंग का बिगुल फूंक दिया गया है। इससे पहले आईडीएफ ने हमास पर सीजफायर उल्लंघन का आरोप भी लगाया और देखते ही देखते गाजा पर बमबारी शुरु कर दी है। यही नहीं इजराइल ने अपने होलित इलाके में रॉकेट अलर्ट भी जारी किया है। आईडीएफ का कहना है कि गाजा में हमास को मिटाने वाला उनका ऑपरेशन एक बार फिर शुरू किया जा रहा है। गौरतलब है कि दुनिया के दबाव और बंधकों की अदला बदली को लेकर सीजफायर घोषित किया गया था। इस बीच अनेक बंधकों की अदला-बदली भी की गई। इससे समझा जा रहा था कि सीजफायर आगे बढ़ सकता है, लेकिन आईडीएफ ने हमास पर सीजफायर उल्लंघन का आरोप लगाया और गाजा में बमबारी करके युद्ध शुरु होने की घोषणा कर दी।

### क्या कहते हैं रिहा बंधक

इजराइल और हमास के छोड़े गए बंधकों को लेकर अब रोजाना ही नई कहानियां सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में हमास द्वारा रिहा बच्चों ने दावा किया कि उनके पैरों को जलाया गया, ताकि अलग पहचाने जा सकें। पैर जलाने के लिए मोटरसाइकिल साइलेंसर का इस्तेमाल किया गया। दरअसल बच्चों ने अपने परिजनों को बताया है कि उन्हें मोटरसाइकिल पर बैठाया जाता था और फिर नके पैर गरम साइलेंसर पर रखवा दिये जाते थे, जिससे वो जल जाते थे। खबर के मुताबिक 12 साल के यागिल और 16 साल के याकोव ने हमास से रिहाई के बाद इस आशय की बातें परिवार से शेयर की हैं। हमास ने सीजफायर के अखिरी दिन 8 इजराइली बंधकों को रिहा किया, जिसके बदले में इजराइल ने 30 फिलिस्तीनी बंधकों को रिहा किया। अब सीजफायर आगे बढ़ेगा या नहीं संशय की स्थिति लगातार बनी हुई है।

# बाइडन को शोक संदेश भेजकर शी जिनपिंग ने बढ़ाया दोस्ती का हाथ?

### -क्या इस एक्शन से चीन ने चुपके से कूरेद दिया अमेरिका का पुराना घाव?

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** चीन और अमेरिका के बीच का तनाव किसी से छुपा नहीं है। एक वक्त था जब दोनों एक दूसरे के गहरे दोस्त हुआ करते थे। चीन को आगे बढ़ाने में कहीं न कहीं अमेरिका का ही हाथ था। अमेरिका को लगा कि चीन और अमेरिका साथ मिलकर काम करेंगे लेकिन चीन व्यापार के मामले में अमेरिका से भी आगे निकल गया। आज दोनों देशों के बीच की जो वरचस्व की जो जंग है वह पूरी दुनिया देख रही है। कुछ लालच में की गयी अमेरिका की गलतियों ने ही चीन को आज इस मुकाम पर पहुंचाया है। दोनों देशों के बीच हमेशा तनाव जैसी ही स्थिति रहती है। ऐसे में इस बार चीन के एक एक्शन से लग रहा है उसने अमेरिका की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है।

ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गुरुवार को पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री और 1972 में चीन और अमेरिका के बीच तनाव कम करने में एक प्रमुख खिलाड़ी हेनरी किसिंजर के निधन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, किसिंजर का बुधवार को 100 साल की उम्र में कनेक्टिकट स्थित उनके घर पर निधन हो गया।

शी ने चीनी सरकार और लोगों की ओर से, साथ ही उनके नाम पर, किसिंजर के परिवार को अपनी गहरी सहानुभूति और संवेदना भेजीं। ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, शी जिनपिंग ने अपने संदेश में कहा कि किसिंजर एक विश्व प्रसिद्ध रणनीतिकार और चीनी लोगों के पुराने और अच्छे दोस्त थे।

शी ने कहा, एक उत्कृष्ट रणनीतिक दृष्टि के साथ, किसिंजर ने चीन-अमेरिका संबंधों को सामान्य बनाने में ऐतिहासिक योगदान दिया, जिससे न केवल दोनों देशों को फायदा हुआ बल्कि दुनिया भी बदल गई। ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, शी ने आगे कहा कि 'किसिंजर ने चीन-अमेरिका संबंधों के विकास को बढ़ावा देने और दोनों लोगों के बीच दोस्ती को बढ़ाने के लिए इसे अपना आजीवन लक्ष्य बना लिया था और उनका नाम हमेशा चीन-अमेरिका संबंधों के साथ जुड़ा रहेगा।'

1971 में किसिंजर की चीन की गुप्त यात्रा के बाद, अगले वर्ष तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की चीन की ऐतिहासिक यात्रा की नींव रखी गई और अंततः अमेरिका-चीन संबंधों का सामान्यीकरण भी उनके द्वारा संभव हुआ। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, जर्मनी में पैदा हुए शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने तब से चीन की 100 से अधिक यात्राएं की हैं, सबसे हालिया यात्रा जुलाई 2023 में हुई।

किसिंजर की मृत्यु की घोषणा उनकी परामर्श फर्म द्वारा एक बयान में की गई, जिसमें कारण का उल्लेख नहीं किया गया। द वाशिंगटन के अनुसार, एक विद्वान, राजनेता और सेलिब्रिटी राजनयिक किसिंजर ने अमेरिकी राष्ट्रपतियों - रिचर्ड एम निक्सन और गेराल्ड फोर्ड के प्रशासन के दौरान और उसके बाद एक सलाहकार और लेखक के रूप में अमेरिकी विदेश नीति पर अद्वितीय शक्ति रखी, जिन्होंने वैश्विक राजनीति और व्यापार को आकार देने वाली राय साझा की। रिपोर्ट पोस्ट करें. हेंज अल्फ्रेड किसिंजर का जन्म 27 मई, 1923 को जर्मनी के फर्थ में हुआ था। वह 12 वर्ष के थे जब नूर्नबर्ग कानूनों ने जर्मनी के यहूदियों से उनकी नागरिकता छीन ली थी। न्यूयॉर्क में एक रिश्तेदार द्वारा प्रायोजित, किसिंजर और उनका परिवार अगस्त 1938 में जर्मनी छोड़कर अमेरिका चले गए। अमेरिका जाने के बाद वह हेनरी बन गए। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, एक ही समय में व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और अमेरिकी विदेश मंत्री बनने वाले एकमात्र व्यक्ति के रूप में, उनका अमेरिकी विदेश नीति पर नियंत्रण था, जिसकी तुलना शायद ही किसी ऐसे व्यक्ति ने की हो जो राष्ट्रपति नहीं था।

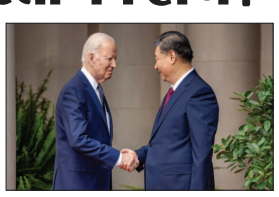

संपादकीय

# समय कभी स्थिर नहीं रहता

समय तो परिवर्तनशील है जो बदलता रहता है । आज यदि परिस्थिति अनुकूल नहीं है तो सम्भाव में हम रहकर समय के साथ चले । मन के विचार बहुत तीव्र है उनको हम पहचाने ओ इंसान मन के विकारों को दूर कर बन जा चतुर सुजान ।जीसने समय की कीमत को पहचान लिया एकाग्र हो अपने लक्ष्य की राह बुनता चला गया उसी ने इतिहास में नाम रच दिया ।कोलंबस नई दुनिया की खोज इसलिए कर पाया क्योंकि उसने दो दशक से भी अधिक समय तक अपनी एकाग्रता को समुद्री अभियान पर केन्द्रित कर लिया था। स्वामी विवेकानंद बेहद एकाग्र थे उनकी एकाग्रता इतनी चमत्कारित होती कि वे एक बार में पूरी पुस्तक पढ़ लेते थे। अपनी एकाग्रता के कारण ही अर्जुन विश्व में महान धनुर्धारी बना । संसार के प्रत्येक कार्य में विजय पाने के लिए एकाग्रचित्त होना आवश्यक है। जो लोग चित्त को चारों ओर बिखेरकर काम करते है उन्हें सैकड़ों वर्षों तक सफलता का मूल्य मालूम नहीं होता। समय की नजाकत को समझने कीपरख हममें होनी चाहिए,समय का विवेक रखकर सावधानीपूर्वक सब काम किये जायें तो स्वाभाविक ही हमें मानसिक शांति मिलेगी और मन प्रफुल्लित होगा,चेहरे की मुस्कान में चार चांद लग जाएंगे।सबसे बड़ा है विवेक का जागरण ।गलत समय पर मुस्करना भी दूसरों के घाव पर नमक छिड़कने का काम कर सकता है,जो हमारे लिए कभी भी शोभनीय नहीं,किसी भी परिस्थिति में।हर मर्ज की दवा है प्रसन्नचित्त रहना,तन ,मन की सुंदरता में चार चांद लगानालेकिन विवेकपुर्वक। परिस्थिति तो अपने आप मे एक ही होती है,सबके अलग- अलग नजरिये होते है कि वो उसको किस रूप में लेता है। वैसे काफी हद तक इसमें हमारे कर्म-संस्कार के कारण हमारे भावों से वो प्रभावित होती है,हम अपने होश में रहते हुए हर परिस्थिति के अनुकूल अपने आपको ढालने की कोशिश करें तो हम शान्तचित्त होकर उसके मनोनुकूल परिणाम पाने में काफी हद तक सक्षम हो पाते हैं।हम कभी परिस्थिति को दोष देंकर ,उसके सामने घुटने न टेकें, सम्यक् पुरुषार्थ के द्वारा परिस्थिति के अनुसार अपने आपको सम्यक् नियोजन करें तो सफलता मिलेगी,अगर न भी पा पाएं तो निराश न होयें,बल्कि अपने सम्यक् पुरुषार्थ से संतुष्ट होकर शान्तचित्त रहने का प्रयास करें,उसे नियति समझकर। यह समय का स्वभाव है ।पर इसमें हमारा प्रयत्न रहे जीवन पर प्रभाव न हो ।

प्रदीप छाजेड़
( बोरावड़ )

## आज का राशीफल

**मेष** अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**वृषभ** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

**मिथुन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

**कर्क** व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

**सिंह** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**कन्या** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**तुला** व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

**वृश्चिक** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**धनु** व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

**मकर** पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

**कुम्भ** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

**मीन** गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

# हकीकत भी बनें उपज की कीमत बढ़ाने के चुनावी वादे

**जाहिर है, यह एक चुनौती बन जाती है कि कैसे चुनाव जीतने वाले दल अंतत- अपने वादे के मुताबिक काम करेंगे। यह भी कि यदि वे इस बार वादा पूरा करने में नाकाम रहे तो तो चुनावी वादे आगामी इलेक्शंस में अहमियत खो देंगे। ये मनोरंजन के अलावा कुछ भी नहीं रहेंगे। यहां हम समझने का प्रयास करें कि क्यों संदेह जताये जा रहे हैं। दरअसल, दोनों ही राजनीतिक दलों ने उपज की इतनी कीमतें देने का चुनावी वादा किया जो डॉ. एमएस स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय किसान आयोग की सिफारिशों से भी बहुत ज्यादा बैठती हैं।**

देविंदर शर्मा

विश्व में सबसे पुराने नीलामी घरों में से एक है न्यूयार्क स्थित ऑक्शन हाउस सोदबी'ज़, जिसे अब पेंटिंग, कलाकृतियों व प्रतिष्ठापूर्ण आभूषणों के बजाय कृषि पदार्थों के मूल्यों की ओर रुख करने पर विचार करना चाहिये। अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए सोदबी'ज़ कृषि पदार्थों की कीमतों पर भी नीलामी शुरू करने की सोच सकता है। यदि नीलामी घर कृषि उपज की ज्यादा ऊंची कीमतें प्राप्त करने का उद्यम शुरू करता है, वह भी ऐसे वक्त जब भारत में लोकतंत्र का उत्सव यानी चुनाव प्रक्रिया जारी हो तो वैश्विक स्तर पर सोदबी'ज़ एक लोकप्रिय नाम के तौर पर उभरकर सामने आयेगा। केवल भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में किसान उस नीलामी पर पैनी नजर रखेगा। दरअसल, बीते दिनों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश व राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्रों में किसानों के लिए किये वादों में अंतर मालूम करना मुश्किल हो रहा था, तो शायद सोदबी'ज़ किसानों को बेहतरीन कीमतें प्रदान करके कुछ और अच्छा कर सकती थी। ज्यादा महत्वपूर्ण यह कि ऐसी किसी नीलामी के बाद जो अंतिम कीमत सामने आती है किसान को उस पर और ज्यादा यकीन होगा, इस उम्मीद के चलते कि नीलामी में भागीदारी कर रहे राजनीतिक दल अपने किये वादे से पीछे नहीं हटेंगे। चुनावी राज्य मध्यप्रदेश में सबसे पहले जारी किये गये कांग्रेस घोषणापत्र में गेहूं और धान के लिए ज्यादा ऊंची कीमतें प्रदान करने का वादा था। धान के दाम प्रति क्विंटल 2,040 रुपये (पहले घोषित) के बजाय कांग्रेस ने 2,500 रुपये प्रति क्विंटल का आश्वासन दिया था। भाजपा का घोषणापत्र भी उसके सियासी प्रतिद्वंद्वी द्वारा किये वादे के बराबर या उससे बढ़कर बनाने की कोशिश की गयी। धान के मामले में, भाजपा ने 3100 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किये। कांग्रेस ने भी बाद में इसके समान कर दिया। राजस्थान में कांग्रेस ने स्वामीनाथन के फार्मूले को लीगल गारंटी प्रदान करने का आश्वासन दिया था। छत्तीसगढ़ में जहां पहले ही धान का खरीद मूल्य अधिक यानी प्रति क्विंटल 2,640 रुपये था, कांग्रेस पार्टी ने प्रति क्विंटल 3,200 रुपये का विश्वास दिलाया, इस आश्वासन के साथ कि प्रति एकड़ अंत के 20 क्विंटल इस दाम पर खरीदे जायेंगे। वहीं भाजपा के घोषणापत्र के मुताबिक, यदि पार्टी सत्ता में आती है तो वह धान का भाव 3,100 रुपये प्रति क्विंटल देगी और इस रेट पर वह प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदेगी। तेंदु पत्ता के संग्रह के लिए भाजपा ने 5,500 रुपये का प्रस्ताव दिया तो कांग्रेस ने सालाना 4000 रुपये बोनस के साथ 6000 रुपये की घोषणा की थी। अब, ऐसा क्यों है कि वादों के प्रति गंभीरता नहीं बरती जाती है। बीते दिनों आपने जिससे भी बात की उसीने यह कहा कि ये तो केवल चुनावी हथकंडे हैं, और जैसे ही चुनाव परिणाम आएंगे तो ये सियासी पार्टियां अपने वादों से पल्ला झाड़ लेंगी और असल में वे इन कीमतों को नकारने के लिए कोई बहाना ढूंढ लेंगी। जाहिर है, यह एक चुनौती बन जाती है कि कैसे चुनाव जीतने वाले दल अंतत- अपने वादे के मुताबिक काम करेंगे। यह भी कि यदि वे इस बार वादा पूरा करने में नाकाम रहे तो तो चुनावी वादे आगामी इलेक्शंस में अहमियत खो देंगे। ये मनोरंजन के अलावा कुछ भी नहीं रहेंगे। यहां हम समझने का प्रयास करें कि क्यों संदेह जताये जा रहे हैं। दरअसल, दोनों ही राजनीतिक दलों ने उपज की इतनी कीमतें देने का चुनावी वादा किया जो डॉ. एमएस स्वामीनाथन की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय किसान आयोग की सिफारिशों से भी बहुत ज्यादा बैठती हैं। कॉम्प्रिहेंसिव लागत पर 50 फीसदी लाभ (सी2+50 प्रतिशत) की सिफारिश के मुकाबले दोनों ही पार्टियों द्वारा धान और गेहूं के घोषित मूल्य उससे बहुत ज्यादा यानी (सी2+62 प्रतिशत) बनते हैं। यहां सवाल उठता है कि जबसे यानी अक्तूबर 2006 से स्वामीनाथन आयोग ने अपनी रिपोर्ट दी है, तबसे लेकर सत्ता में रही विभिन्न सरकारें इन कीमतों को लागू करने में हीला-हवाली करती रही हैं। यहां तक कि 2014 के राष्ट्रीय चुनावों में जब भाजपा ने किसानों को स्वामीनाथन कमेटी द्वारा सुझाए सी2+50 दाम देने का चुनावी वादा किया तो, सत्ता संभालने के तुरंत बाद सरकार ने यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया कि स्वामीनाथन फार्मूले के अनुरूप दाम प्रदान करना संभव नहीं क्योंकि यह मार्केट्स को विकृत कर देगा। क्या अब दिये जाने वाले अधिक दाम 'मार्केट को नहीं बिगाडेंगे'? इन तमाम सालों में ऐसा क्या बदल गया कि अब राजनीतिक दल सोचने लगे हैं कि वे स्वामीनाथन द्वारा की गयी सिफारिशों से भी उच्च दाम दे सकते हैं? इसीलिए कि उपज की सी2+50 प्रतिशत से भी बढ़कर ऊंची कीमतें प्रदान करने का वादा गले नहीं उतर रहा है। अगर सी2+62 प्रतिशत कीमतें सही ही हों तो पार्टी बैनर से ऊपर उठकर सभी सियासी दलों का नेतृत्व समस्त देश में इसे एक समान कृषि कीमत बनाने के प्रयास क्यों नहीं करता है?

इसके अतिरिक्त, चूंकि एनडीए सरकार ने प्रांतों की सरकारों को निर्देश दिया था कि वे गेहूं और धान की खरीद के एमएसपी पर कोई बोनस न दें, यह कहते हुए कि यदि उन्होंने ऐसा किया तो केंद्र खरीद समर्थन वापस ले लेगा- तो क्या उच्चतर कीमत को खरीद कीमतों पर पर बोनस के रूप में नहीं देखा जाएगा? मुझे नहीं लगता कि हाल ही में इस पर कोई नीतिगत पुनर्विचार हुआ हो। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में उपज की अधिक ऊंची कीमतें घोषित करने की दौड़ कम से कम यह तो मालूम हुआ कि जिस दुःख-दर्द को कृषक समुदाय झेल रहा है उसे समझने में नेता वर्ग ज्यादा बेहतर रूप से सक्षम है। वे जानते हैं कि क्यों किसान तनाव में जी रहे हैं , और उन्हें संकट की स्थिति से निकालने के लिए क्या किये जाने की जरूरत है? यह मानते हुए कि जब देश में किसानों की औसत मासिक आय (कृषक परिवारों के ताजा सिचुएशनल एसेसमेंट सर्वे के मुताबिक) बमुश्किल 10,218 रुपये बैठती है, तो कृषि आमदन में वृद्धि करने की तुरंत जरूरत है।

पर जब वही राजनीतिक नेता सरकार गठित करते हैं तो हकीकत यह है कि उन पर मुख्यधारा के अर्थशास्त्रियों और नौकरशाहों द्वारा इतना दबाव बनाया जाता है कि किसानों की आय में बढ़ोतरी करने की कोई भी बात बाजारों को बिगाड़ने वाली नजर आने लगती है।

हकीकत में, यह एक तरह से मानसिकता की गड़बड़ी ही कही जाएगी जिसने कृषि को जान-बूझकर वंचित बनाए रखा है। क्या ये चुनावी वादे असल में लागू किये जाएंगे, यह तो सिर्फ समय ही बतायेगा? देखते हैं, तीन दिसंबर को परिणाम घोषित होने के बाद क्या होता है।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

# पहाड़ पर भारी न पड़ जाए विकास का मॉडल

पंकज चतुर्वेदी

उत्तराखंड में यमुनोत्री तक निर्माणाधीन सड़क की सिलक्यारा सुरंग में फंसे लोगों के बाहर निकलने के दिन बढ़ते जा रहे हैं। पहाड़ के साथ की गई छेड़छाड़ का ही परिणाम है कि जिस अमेरिकी मशीन 'औगर' को पराक्रमी कहा जा रहा था, लक्ष्य से 12 किलोमीटर दूर इस तरह टूटी कि उसे टुकड़े-टुकड़े कर निकालना पड़ रहा है। लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए जहां भी पहाड़ को छेदा जाता है, वहां मिल रही असफलता बताती है कि इंसान के विज्ञान-तकनीक ज्ञान की तुलना में दुनिया का सबसे युवा पहाड़ हिमालय बहुत विशाल है। पहाड़ केवल पत्थर के ढेर नहीं होते, वे इलाके के जंगल, जल और वायु की दशा और दिशा तय करने के साध्य होते हैं। यदि धरती पर जीवन के लिए वृक्ष अनिवार्य हैं तो वृक्ष के लिए पहाड़ का अस्तित्व बेहद जरूरी है। ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन की विश्वव्यापी समस्या का जन्म भी पहाड़ों से जंगल उजाड़ दिए जाने से ही हुआ है। पर्वतीय राज्यों में बेहिसाब पर्यटन ने प्रकृति का हिसाब गड़बड़ाया तो गांव-कस्बों में विकास के नाम पर आए वाहनों के लिए चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिए जमीन जुटाने-कंक्रीट उगाहने के लिए पहाड़ निशाना बने। यदि नीति आयोग के विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा तीन साल पहले तैयार जल संरक्षण पर रिपोर्ट पर भरोसा करें तो हिमालय से निकलने वाली 60 फीसदी जल धाराओं में दिनों-दिन पानी की मात्रा कम हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन उत्सर्जन, जलवायु परिवर्तन और इसके दुष्परिणाम धरती के शीतलीकरण का काम कर रहे ग्लेशियरों पर आ रहे संकट व उसके कारण समूची धरती के अस्तित्व के खतरे की बातें अब हकीकत बनती नजर आ रही हैं। ऐसे दावों के दूसरे पहलू भी सामने आने लगे कि जल्द ही हिमालय के हिमनद पिघल जाएंगे, जिससे नदियों में पानी बढ़ेगा। एक तरफ कई नगर-गांव जलमग्न हो जाएंगे, वहीं धरती के बढ़ते तापमान को थामने वाली छतरी के नष्ट होने से सूखा, बाढ़ व गर्मी पड़ेगी। तीन साल पहले 31 विकास परियोजनाओं के लिए 185 एकड़ घने जंगलों को उजाड़ने की अनुमति देने का काम जरूर होता रहा। सात अप्रैल, 2020 को राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड की स्थाई समिति की बैठक में सारी आपत्तियों को दरकिनार करते हुए घने जंगलों को उजाड़ने की अनुमति दी गई। समिति ने पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील 2933 एकड़ के भू-उपयोग परिवर्तन के साथ-साथ 10 किलोमीटर संरक्षित क्षेत्र की जमीन को भी कथित विकास के लिए सौंपने पर सहमति दी। इस श्रेणी में प्रमुख प्रस्ताव उत्तराखंड के देहरादून और टिहरी गढ़वाल जिलों में लखवार बहुउद्देशीय परियोजना (300 मेगावाट) का निर्माण और चालू है। परियोजना बिनोग वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से 3.10 किमी दूर स्थित है और अभयारण्य के डिफॉल्ट ईएसजेड में गुजरती है। परियोजना के लिए 768.155 हेक्टेयर वन भूमि और 105.422 हेक्टेयर निजी भूमि की आवश्यकता होगी। परियोजनाओं को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी को पिछले साल नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने निलंबित कर दिया था। इसके बावजूद परियोजना पर राष्ट्रीय बोर्ड द्वारा विचार किया जा रहा है। हिमालय के पर्यावरणीय छेड़छाड़ से उपजी सन् 2013 की केदारनाथ त्रासदी को भुलाकर उसकी हरियाली उजाड़ने की कई परियोजनाएं उत्तराखंड राज्य के भविष्य के लिए खतरा बनी हुई हैं। गत नवंबर,

2019 में राज्य की कैबिनेट से स्वीकृत नियमों के मुताबिक कम से कम दस हेक्टेयर में फैली हरियाली को ही जंगल कहा जाएगा। यही नहीं, वहां न्यूनतम पेड़ों की सघनता घनत्व 60 प्रतिशत से कम न हो और जिसमें 75 प्रतिशत स्थानीय वृक्ष प्रजातियां उगी हों। जाहिर है कि जंगल की परिभाषा में बदलाव का असल उद्देश्य ऐसे कई इलाकों को जंगल की श्रेणी से हटाना है जो कि कथित विकास के राह में रोड़े बने हुए हैं। उत्तराखंड में बन रही पक्की सड़कों के लिए 356 किलोमीटर के वन क्षेत्र में कथित रूप से 25 हजार पेड़ काट डाले गए। यही नहीं, सड़कों का संजाल पर्यावरणीय लिहाज से संवेदनशील उत्तरकाशी की भागीरथी घाटी से भी गुजर रहा है। उत्तराखंड के चार प्रमुख धामों को जोड़ने वाली सड़क परियोजना में 15 बड़े पुल, 101 छोटे पुल, 3596 पुलिया, 12 बाईपास सड़कें बनाने का काम चल रहा है। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेलमार्ग परियोजना भी स्वीकृत हो चुकी है। जिससे जंगल-वन्य जीव प्रभावित होंगे। सनद रहे हिमालय पहाड़ न केवल हर साल बढ़ रहा है, बल्कि इसमें भूगर्भीय उठापटक चलती रहती हैं। यहां पेड़ भूमि को बांध कर रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं, जो कि कटाव व पहाड़ ढहने से रोकने का एकमात्र उपाय है। वहीं अंधाधुंध विकास भूकंप की चुनौती भी बढ़ाता है। हमें देश के 'जल-प्राण' हिमालय के अध्ययन व नियमित आकलन की जरूरत है।

विचार मंथन

# अमेरिकी चाणक्य को मुंह तोड़ जवाब दिया था इंदिरा गांधी ने

(लेखक - सनत जैन)

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर का 100 साल की उम्र में निधन हो गया है। 1969 से लेकर 1977 तक वह अमेरिका के विदेश मंत्री रहे हैं। सारी दुनिया में अपना लोहा मनवाने वाले, किसिंजर को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोहे के चने चववा दिए थे। अमेरिका के तत्कालीन विदेश मंत्री किसिंजर इंदिरा गांधी से इतने नाराज हुए, कि उन्होंने भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग कर दिया था। 34 साल बाद उन्होंने 2005 में सार्वजनिक रूप से इंदिरा गांधी और भारतीयों से माफी भी मांगी थी। उस समय अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति निक्सन के समय उन्हें सह राष्ट्रपति भी कहा जाता था। अंतरराष्ट्रीय राजनीति का उन्हें चाणक्य माना जाता था।

भारतीयों के प्रति पहले वह नफरत किया करते थे। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारत के खिलाफ अमेरिका ने नौसेना का एक बेडा युद्ध बंद करने और पाकिस्तान के समर्थन में भेजा था। अमेरिका ने अपनी पूरी ताकत लगा दी थी, कि भारत युद्ध को रोक दे। लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिका के दबाव को स्वीकार नहीं किया। अमेरिकी नौसेना बेडे के रवाना होते ही रूस ने भी अपना नौसेना का बेड़ा भारत की सहायता के लिए भेज दिया था। अमेरिका ने जब देखा कि रूस भारत की सहायता के लिए आगे आ गया है। तब अमेरिका ने अपने कदम पीछे खींचे। इसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्री किसिंजर ने पाकिस्तान को अपना मोहरा बनाकर, भारत के खिलाफ खड़ा किया। भारत के खिलाफ कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए। लेकिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिका का डटकर मुकाबला किया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी कूटनीति के मामले में अमेरिकी चाणक्य किसिंजर के सामने श्रेष्ठ साबित हुई।

सारी दुनिया में इंदिरा गांधी की एक नई साख बनी। इंदिरा गांधी ने चीन को भी भारत-पाकिस्तान के युद्ध में दखल नहीं करने के लिए मना लिया था। अमेरिका ने बहुत कोशिश की थी, कि चीन पाकिस्तान की समर्थन में आगे आए। लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं। उसके बाद किसिंजर ने पाकिस्तान को बहुत बड़ी अमेरिकी आर्थिक सहायता देकर पाकिस्तान को अमेरिकी हितों एवं भारत के खिलाफ पाकिस्तान का इस्तेमाल किया। आज हम कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण दु निया में भारत की पहचान है। लेकिन यह पहचान 1971 के भारत-पाकिस्तान के युद्ध में सारी दुनिया में आयरन लेडी के रुप में इंदिरा गांधी की पहचान बन चुकी थी। चीन, अमेरिका और रूस जैसी महा शक्तियाँ भी इंदिरा गांधी की कूटनीति के कायल थे। सारी दुनिया में एक शक्तिशाली राष्ट्राध्यक्ष महिला के रूप में इंदिरा गांधी और भारत की पहचान सारी दुनिया में 1971 में ही बन गई थी।

उस समय भारत जैसा देश रूस, अमेरिका और चीन से टकराने की हिम्मत भी नहीं कर सकता था। ऐसे समय पर इंदिरा गांधी ने हिम्मत दिखाई थी। प्रधानमंत्री के रूप में इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान से बांग्लादेश को अलग करके, बांग्लादेश को स्वतंत्र मान्यता दी। पाकिस्तान की एक सीमा को, भारत के लिए सुरक्षित बना लिया था। भारत की पहली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थी जिन्होंने अपने पिता जवाहरलाल नेहरू से भी एक कदम आगे चलकर सारे देश एवं दुनिया में न केवल भारत की पहचान बनाई थी, बल्कि अमेरिका के आर्थिक प्रतिबंधों का जवाब भी पूरी ताकत के साथ दिया था कई वर्षों के बाद भारत के सामने अमेरिका को झुकना पड़ा। भारत अमेरिका के सामने नहीं झुका। यह इंदिरा गांधी की कूटनीतिक सफलता थी, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय चाणक्य किसिंजर और अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति निक्सन को भी भारत के सामने घुटने टेकने को मजबूर कर दिया था।

कि सिंजर भी बाद में इं दिरा गांधी के प्रशंसक बने।

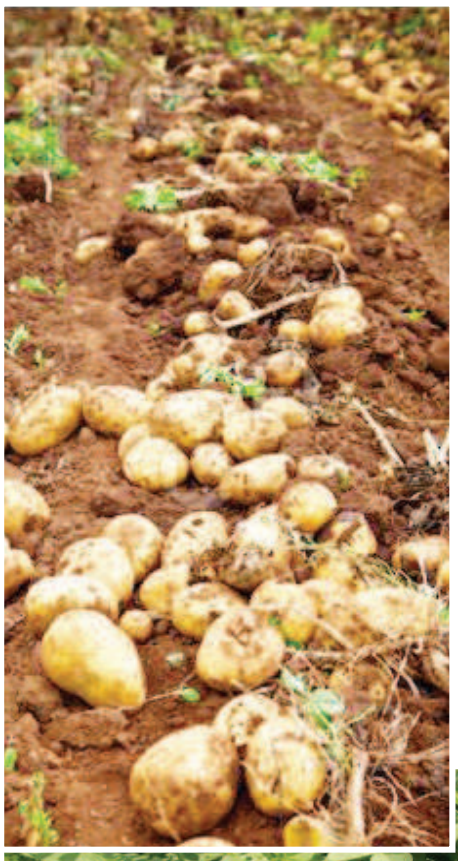

# आलू की खेती

## मिट्टी व जलवायु

आलू अच्छी जल निकास वाली कार्बनिक पदार्थ से भरपूर बलूई दोमट मिट्टी में लगाएँ। पानी ठहरने वाली क्षारीय मिट्टी में आलू की फ़सल नहीं उगानी चाहिए। आलू की अच्छी बढ़वार के लिये हल्की जलवायु की आवश्यकता होती है।

## बीजोपचार

आलू का बीज सरकारी संस्थानों और बीज निगमों से खरीदें। आलू का बीज तीन-चार साल बाद अवश्य बदल दें, वरना बीज में विषाणु रोग बढने की संभावना रहती है। अच्छा अंकुरित 30 - 40 ग्रा0 भार का आलू लगायें। आलू के बीज को बुआई से 10 दिन पूर्व ठंडे गोदाम से निकालें। पहले बीज को 24 घंटे के लिए प्रीकूलिंग चेम्बर में रखें इसके पश्चात बीज को छाया वाली जगह में कल्ले फुटाव के लिये रखें। इसी दौरान सडे हुये व बिना अंकुरित हुये आलू निकाल दें।

## बुआई का समय

आलू की बुआई का उचित समय अक्टूबर का दूसरा पखवाडा है। यह समय इसलिये उपयुक्त है क्योंकि जिन स्थानों पर पाला दिसम्बर के आखिर में या जनवरी के प्रथम सप्ताह में पड़ता है अतः पाला पड़ने तक आलू को बढने के लिए पूरा समय मिल जाता है।

खेत में पूर्व से पश्चिम की दिशा में मेंड 5-6 से0मी0 दूरी पर बनाएँ और बीज को मेंड की उत्तरी ढलान पर 20-25 सें0मी0 की दूरी पर लगाएँ। 30-40 ग्राम. का आलू लिया गया हो तो एक हेक्टेअर के लिये 30-50 कुन्टल बीज के आवश्यकता होती है।

**आलू देश की महत्वपूर्ण सब्जी वाली फसलों में से एक है, इसकी औसत पैदावार 161 कु. प्रति हेक्टेअर है, यदि उत्तम क़िस्मों और नवीन प्रौद्योगिकी को उपनाया जाए तो इसकी पैदावार को और अधिक बढ़ाया जा सकता है।**

## खाद और उर्वरक

आलू की अच्छी पैदावार लेने के लिये नाइट्रोजन, फ़ॉस्फ़रस एवं पोटाश की अधिक मात्रा में आवश्यकता होती है इसके लिए 120-150 कि0ग्रा0 नाइट्रोजन ;260-300 कि0ग्रा0 यूरिया, 80 कि0ग्रा0 फ़ॉस्फ़रस पोटाश ;500 कि0ग्रा0 सिंगल सुपर फ़ॉस्फ़ेट और 50-100 कि0ग्रा0 पोटाश ;130-160 कि0ग्रा0 म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हक्टेयर की दर से देने की सिफारिश की जाती है। मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों की मात्रा बढ़ाई या घटाई जा सकती है। फ़ॉस्फ़रस व पोटाश की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की आधी मात्रा बुआई से पहले मेंड बनाने के पहले ज़मीन के ऊपर छिड़क दें। इसके बाद मेंड बनाएँ नाइट्रोजन की शेष आधी मात्रा बुआई के 30-35 दिन बाद मिट्टी चढाने से पहले व सिंचाई देने के बाद दें जिन किसानों के पास गोबर की खाद उपलब्ध हो वे 10-20 टन प्रति है0 की दर से आलू की बुआई से एक माह पूर्व खेत में डालें गोबर की खाद की मात्रा के अनुसार, उर्वरकों की मात्रा घटाई जा सकती है ।

## सिंचाई

आलू की फ़सल में हल्की व जल्दी सिंचाई की आवश्यकता होती है। सिंचाई करते समय ध्यान रखें कि मेंडों में पानी हमेशा 3/5 उंचे हिस्से तक ही दें आलू अच्छी नमी वाली ज़मीन में लगाएँ एवं पहली सिंचाई पौधे उग आने के करीब 15-20 दिन बाद करें दूसरी सिंचाई पहली सिंचाई के 15 दिन बाद करें स्टोलोनाइजेशन एवं कन्द बनने की अवस्था में सिंचाई की कमी न होने दें वरना आलू की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पडेगा। इन अवस्थाओं के बीच में फ़सल में 10-15 दिन के अन्तर पर सिंचाई करते रहें आलू को खोदने से पहले सिंचाई बंद कर दें ।

## खरपतवार नियंत्रण

आलू की फ़सल में खरपतवार नहीं पनपने दें इसके लिए खुरपी से खरपतवारों को बाहर निकालते रहे यदि खरपतवारनाशी दवाइयों को प्रयोग करना हो तो मैट्रीब्यूजीन ;मोटोवीर कि ग्रा.प्रति हेक्टेअर 600-700 लीटर पानी में मिलाकर जमने से पहले छिड़कें ।

## पौध संरक्षण

आलू की फ़सल में मुख्यतः कुतरने वाले कीड़े, जैसिड और माहू नुकसान पहुँचाते हैं कुतरने वाले कीडों की रोकथाम के लिये क्लोरवीर 4 प्रतिशत धूल वाला 25-30 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेअर की दर से ज़मीन में मिला दें जैसिड व माहू की रोकथाम के लिये क्लोरवीर 2 मि. ली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर उपरोक्त कीडों का प्रकोप दिखाई देते ही छिड़काव करें। आवश्यकता पड़ने पर 15 दिन बाद दुबारा छिड़काव करें ।अगेती अंगमारी, पछेती, पत्तियों का मुड़ना, चित्ती रोग व सूत्रकृमि आलू की मुख्य बीमारी हैं। अगेती व पछेती अंगमारी की रोकथाम के लिए फ़सल पर बीमारी के लक्षण, अगेती अंगमारी- पुरानी पत्तियों पर गहरे भूरे धब्बे, पछेती अंगमारी- पत्तियों के किनारे पर छोटे भूरे रंग के धब्बे दिखाई देने पर या बादल व अधिक आर्द्रता वाला मौसम होने पर वीर एम. 45 या डाइथेन जेड 78 या ब्लाइसक्स 2 ग्राम. प्रति ली. पानी में मिलाकर अच्छी तरह पत्तियों पर छिड़क दें जिससे पत्तियाँ दोनों तरफ से भीग जाएँ यदि आवश्यकता पडे तो 15 दिन बाद इन्हीं दवाईयों का छिड़काव करें ।पत्तियों का मुड़ना एवं चित्ती रोग की रोकथाम के लिए रोग के आक्रमण की प्रारम्भिक अवस्था के लक्षण दिखाई देते ही रोगग्रस्त पौधों को निकाल कर ज़मीन में दबा दें ।जड़ गांठ वाले सूत्रकृमि से बचाव के लिये आलू बोने से पहले गर्मियों में खेत की 2-3 बार गहरी जुताई करें और बीज की रोपाई से पहले खेत में 2 कि0ग्रा0 एल्डीकार्ब-कार्बोफयूरान प्रति है, की दर से मिलाने से सूत्रकृमि के प्रकोप से बचा जा सकता है ।

## पाले से बचाव

उत्तरी व पश्चिमी भारत में दिसम्बर के आखरी व जनवरी के प्रथम सप्ताह में पाला पड़ने की सम्भावना रहती है । यदि पाला पड़ने की सम्भावना हो तो किसान आलू की फ़सल में तुरन्त सिंचाई करें खेत में रात को ही हवा की दिशा के अनुसार धुआँ करके पाले से फ़सल को बचा सकते हैं ।

# बैंगन की शानदार खेती

बैंगन एक पौष्टिक सब्जी है। इसमें विटामिन ए एवं बी के अलावा कैल्शियम, फ़ॉस्फ़रस तथा लोहे जैसे खनीज भी होते है। यदि इसकी उपयुक्त उत्तम क़िस्में तथा संकर किस्में बोई जाए और उन्नत वैज्ञानिक सस्य क्रियाऐं अपनाई जाएँ तो इसकी फ़सल से काफ़ी अधिक उपज मिल सकती है।

## क़िस्में

### पूसा हाईब्रिड -5

पौधे की अच्छी बढ़वार तथा शाखाएँ ऊपर को उठी हुई होती है, फल मध्यम लम्बाई के, चमकदार तथा गहरे बैंगनी रंग के होते है। बुआई से पहली तुड़ाई में 85- 90 दिन लगते है। उत्तरी तथा मध्य भारत के मैदानी क्षेत्रों तथा समुद्र तट को छोड़ कर कर्नाटक, केरल, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु क्षेत्र के लिये उपयुक्त है। उपज 450 से 650 क्विंटल प्रति हेक्टेअर होती है।

### पूसा हाईब्रिड-6

पौधे मध्यम सीधे खडे रहने वाले होते हैं। फल गोल, चमकदार, आकर्षक बैंगनी रंग के होते है, प्रत्येक फल का वजन लगभग 200 ग्राम होता है। बुआई से पहली गुड़ाई में 85-90 दिन लगते है। उपज 400-600 क्विंटल प्रति हेक्टेअर होती है।

### पूसा हाईब्रिड 9

पौधे सीधे खडे रहने वाले होते हैं। फल अण्डाकार गोल, चमकदार बैंगनी रंग के होते हैं। प्रत्येक फल का वजन लगभग 300 ग्राम होता है । बुआई के पहली तुड़ाई में 85-90 दिन लगते है । गुजरात तथा महाराष्ट्र क्षेत्र के लिए उपयुक्त है । इसकी औसत उपज 500 क्विंटल प्रति हेक्टेअर है।

### पूसा क्रान्ति

इस क़िस्म के फल गहरे बैंगनी रंग के मध्यम लम्बाई के होते है । यह क़िस्म बसन्त तथा सर्दी दोनों मौसमों के लिये उपयुक्त पाई गई है । इसकी औसत उपज 300 किंवटल प्रति हेक्टेअर है।

### पूसा भैरव

इसके फल गहरे बैंगनी रंग के थोड़े मोटे व कुछ लम्बे होते है । यह क़िस्म फल-गलन रोग प्रतिरोधी है।

### पूसा पर्पल कलस्टर

पौधें सीधे खडे रहने वाले होते है। पत्तियाँ रगंदार होती है। फल 9 से 12 सें0मी0 लम्बे तथा गुच्छे में लगते है। यह क़िस्म पहाडी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। यह क़िस्म फल तथा तना छेदक, जीवाणु तथा उकटा रोग के लिए कुछ रोधक है।

# ब्रोकोली की खेती

**इसकी खेती पिछले कई वर्षों में धीरे-धीरे बडे शहरों के आस-पास कुछ किसान करने लगे हैं । बडे महानगरों में इस सब्जी की मांग भी अब बढने लगी है । पाँच सितारा होटल तथा पर्यटक स्थानों पर इस सब्जी की मांग बहुत है तथा जो किसान इसकी खेती करके इसको सही बाजार में बेचते हैं उनको इसकी खेती से बहुत अधिक लाभ मिलता है**

सब्जियों की खेती से जहां किसान की आमदनी बढ़ती है। वहीं अच्छे स्वास्थ्य के लिए सब्जियाँ , भोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी हैं। अपने देश में लगभग 50 तरह की भिन्न प्रकार की सब्जियाँ उगाई जाती हैं जिनमें से कुछ को बाहर विदेशों में बेचकर विदेशी मुद्रा भी कमाई जाती है । आगे आने वाले समय में सब्जियों का उत्पादन तथा निर्यात दोनों ही बढ़ने की काफ़ी संभावनाएँ हैं । जहाँ हम जानी पहचानी काफ़ी तरह की सब्जियाँ अपने देश में उगा रहे हैं वहां अभी भी कुछ ऐसी सब्जियाँ हैं जो आर्थिक व पौष्टिकता की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस तरह की सब्जियों में ब्रोकोली का नाम बहुत महत्वपूर्ण है । इसकी खेती पिछले कई वर्षों में धीरे-धीरे बडे शहरों के आस-पास कुछ किसान करने लगे हैं । बडे महानगरों में इस सब्जी की मांग भी अब बढने लगी है । पाँच सितारा होटल तथा पर्यटक स्थानों पर इस सब्जी की मांग बहुत है तथा जो किसान इसकी खेती करके इसको सही बाजार में बेचते हैं उनको इसकी खेती से बहुत अधिक लाभ मिलता है क्योंकि इसके भाव कई बार 30 से 50 रूपये प्रति कि0ग्रा0 तक मिल जाते हैं । यहां ये बताना उचित रहेगा कि ब्रोकोली की खेती करने से पहले इसको बेचने का किसान जरूर प्रबंध कर लें क्योंकि यह अभी महानगरों, बड़े होटल तथा पर्यटक स्थानों तक ही सीमित है। साधारण अथवा मध्यम या छोटे बाजारों में अभी तक ब्रोकोली की मांग नहीं है क्योंकि अभी तक लोग इसके बारे में कम या बिल्कुल नहीं जानते। ब्रोकोली की सफल खेती के लिये नीचे दी गई जानकारी लाभदायक होगी। ब्रोकोली की खेती ठीक फूलगोभी की तरह की जाती है। इसके बीज व पौधे देखने में लगभग फूल गोभी की तरह ही होते हैं। ब्रोकोली का खाने वाला भाग छोटी छोटी बहुत सारी हरे फूल कलिकाओं का गुच्छा होता है जो फूल खिलने से पहले पौधों से काट लिया जाता है और यह खाने के काम आता है। फूल गोभी में जहां एक पौधे से एक फूल मिलता है वहां ब्रोकोली के पौधे से एक मुख्य गुच्छा काटने के बाद भी , पौधे से कुछ शाखायें निकलती हैं तथा इन शाखाओं से बाद में ब्रोकोली के छोटे गुच्छे बेचने अथवा खाने के लिये प्राप्त हो जाते है।

## भूमि व खेत की तैयारी

**जलवायु :** ब्रोकोली को उत्तर भारत के मैदानी भागों में जाड़े के मौसम में अर्थात? सितम्बर मध्य के बाद से फरवरी तक उगाया जा सकता है।

**मिट्टी :**इस फ़सल की खेती कई प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है लेकिन सफ़ल खेती के लिये बलुई दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त है।

नर्सरी तैयार करना = सितम्बर मध्य से नवम्बर के शुरू तक पौध तैयार की जा सकती है बीज बोने के लगभग 4 से 5 सप्ताह में इसकी पौध खेत में रोपाई करने योग्य हो जाती हैं इसकी नर्सरी ठीक फूलगोभी की नर्सरी की तरह तैयार की जाती है।

### क़िस्में

ब्रोकोली की लगभग सभी क़िस्में विदेशी हैं। जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-प्रीमियम क्रॉप, टोपर, ग्रीन कोमट, क्राइटेरीयन आदि। कई बीज कम्पनियाँ अब ब्रोकोली के संकर बीज भी बेच रहीं हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने हाल ही में पूसा ब्रोकोली 1% क़िस्म की खेती के लिये सिफ़ारिश की है तथा इसके बीज थोड़ी मात्रा में पूसा संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, कटराइन कुल्लू घाटी , हिमाचल प्रदेश से प्राप्त किये जा सकते हैं।

## बीज की मात्रा व बुआई का तरीक़ा

**बीज की मात्रा :** एक हेक्टेअर की पौध तैयार करने के लिये लगभग 375 से 400 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है।

**रोपाई:** नर्सरी में जब पौधे 8-10 या 4 सप्ताह के हो जायें तो उनको तैयार खेत में कतार से कतार , पक्ति से पंक्ति में 15 से 60 से. मी. का अन्तर रखकर तथा पौधे से पौधे के बीच 45 सें0मी0 का फ़सला देकर रोपाई कर दें। रोपाई करते समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए तथा रोपाई के तुरन्त बाद हल्की सिंचाई अवश्य करें।

**बुआई :** पौध की रोपाई दोपहर के बाद अथवा शाम के समय करें।

## खाद और उर्वरक

अच्छी पैदावार लेने के लिये निम्न खाद की मात्रा प्रति हेक्टेअर देना लभदायक रहेगा 7 खाद मिट्टी परीक्षण के आधार पर दे -

**गोबर की खाद** : 50-60 टन
**नाइट्रोजन** :100-120 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेअर
**फॉसफोरस** :45-50 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेअर

गोबर तथा फ़ॉस्फ़रस खादों की मात्रा को खेत की तैयारी में रोपाई से पहले मिट्टी में अच्छी प्रकार मिला दें। नाइट्रोजन की खाद को 2 या 3 भागों में बांटकर रोपाई के क्रमशः 25 ,45 तथा 60 दिन बाद प्रयोग कर सकते हैं। नाइट्रोजन की खाद दूसरी बार लगाने के बाद, पौधों पर परत की मिट्टी चढाना लाभदायक रहता है 7

## निराई-गुड़ाई व सिंचाई

मिट्टी मौसम तथा पौधों की बढ़वार को ध्यान में रखकर , इस फ़सल में लगभग 10-15 दिन के अन्तर पर हल्की सिंचाई की आवश्यकता होती है।

## पौध संरक्षण

**कीड़े व बीमारियाँ :**अगर मौसम में बादल हों अथवा कुछ वर्षा होकर वातावरण थोड़ा गर्म व नम हो जाये तो ब्रोकोली की फ़सल पर पाउडरी मिल्ड्यू अर्थात फूंदी का चूर्ण रोग नुकसान करता है। इसके बचाव के लिये कैराथेन 2 ग्रा. दवा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर पौधों पर छिड़काव करें।

## कटाई व उपज

फ़सल में जब हरे रंग की कलियों का मुख्य गुच्छा बनकर तैयार हो जाये तो इसको तेज़ चाकू या दरांती से कटाई कर लें। ध्यान रखें कि कटाई के साथ गुच्छा खूब गुंथा हुआ हो तथा उसमें कोई कली खिलने न पाएँ। ब्रोकोली को अगर तैयार होने के बाद देर से कटाई की जाएगी वह ढीली होकर बिखर जायेगी तथा उसकी कली खिलकर पीला रंग दिखाने लगेगी ऐसी अवस्था में कटाई किये गये गुच्छे बाजार में बहुत कम दाम पर बिक सकेंगे। मुख्य गुच्छा काटने के बाद, ब्रोकोली के छोटे गुच्छे ब्रिकी के लिये प्राप्त होंगें। ब्रोकोली की अच्छी फ़सल से लगभग 12 से 15 टन पैदावार प्रति हेक्टेअर मिल जाती है।

# पालक की खेती

**पत्ती वाली सब्जियों में कैल्सियम, आयरन इत्यादि खनिज तत्व व विटामिन 'ए' 'बी' काम्पलैक्स व 'सी' बहुतायत में पाये जाते हैं। पत्ती वाली सब्जियों में पालक का महत्तवपूर्ण स्थान है। जो कि मुख्यत: अपनी मुलायम एवं कोमल पत्तियों के लिए उगाया जाता है। पालक का कोमल तना भी प्रयोग में लाया जाता हैं पालक की खेती सर्दियों में अधिक की जाती है।**

## भूमि और जलवायु

पालक की खेती पूरे साल विभिन्न प्रकार की जलवायु में की जा सकती है। परन्तु अत्यधिक तापक्रम इसके लिए हानिकारक होता है। अतः सर्दियों के महीने पालक की खेती के लिए उपयुक्त होते हैं।

## भूमि की तैयारी

पालक को पर्याप्त उर्वरता वाली सभी प्रकार की मिट्टीयों में उगाया जा सकता है। भूमि में जल निकास का भी उचित प्रबन्ध होना चाहिए। बलुई दोमट पालक के विकास के लिए अच्छी भूमि होती है। पालक की प्रजाति जैसे जोबनेर ग्रीन इत्यादि को 8 से 10 पी. एच. मान की क्षारीय भूमियों में भी उगाया जा सकता है। पालक की बुआई के लिए खेत को 3-4 जुताइयाँ करके

मिट्टी को भुरभुनी बना लेना चाहिए। उचित जलनिकास के लिए खेत को पाटे द्वारा समतल करना भी आवश्यक होता है।

## प्रजातियां

भारत में पालक की बहुत सी प्रजातियां उगाई हैं परन्तु अधिक पोषक तत्वों एवं मुलायम पत्तियों वाली कटाई के बाद अच्छी और जल्दी पुर्नवृद्धि वाली एवं देर से कल्ले फूटने वाली प्रजाति ही अच्छी मानी जाती है। पालक की कुछ मुख्य प्रजातियां निम्नलिखित हैं-

पालक आल ग्रीन ,पालक पूसा ज्योति, पालक हरित, पालक भारती , जोवनेर ग्रीन ।

## बुआई

मैदानी क्षेत्रों में पालक की बुआई वर्ष में तीन बार की जा सकती है। 1 बसन्त ऋतु के शुरू में ,2 वर्षा के शुरू में , 3 मुख्य फ़सल सितम्बर व नवम्बर के मध्य में बीज द्वारा तैयार खेत में पंक्तियों में बुआई करना उचित रहता है। क्योंकि पंक्तियों में बुआई करने से खरपतवार नियंत्रण , अन्तःकर्षण क्रियाएं एवं कटाई आसानी से की जा सकती है। बीज को 20 सें0मी0 की दूरी पर बनी पंक्तियों में 3-4 सें0मी0 की गहराई पर बोना चाहिए। यह ध्यान रहें कि बीज बोने से पहले खेत में पर्याप्त नमी रहनी चाहिए। एक हेक्टेअर क्षेत्र. की बुआई के लिए 25-30 कि. ग्राम. बीज काफी रहता है।

## खाद एवं उर्वरक

पत्तियों वाली सब्जियों के लिए नाइट्रोजन बहुत ही आवश्यक तत्व है। खेत की तैयारी अर्थात् बुआई से 12-15 दिन पहले 15 - 20 टन प्रति हेक्टेअर के हिसाब से गोबर की खाद मिट्टी में मिला देनी चाहिए। 30 कि0ग्रा0 नाइट्रोजन, 25 कि0ग्रा0 फॉस्फोरस एवं 50 कि0ग्रा0 पोटाश बुआई से पहले खेत तैयार करते समय मिट्टी में मिला दें। हरी एवं मुलायम पत्तियों कटाई के बाद खेत में डालनी चाहिए।

## सिंचाई

पालक में सिंचाई मौसम एवं मिट्टी की स्थिति पर निर्भर करती है। यदि खेत में बुआई के समय पर्याप्त नमी न हो तो बुआई के तुरन्त बाद एक हल्की सिंचाई करनी चाहिए। बसन्त एवं गर्मी के मौसम में छः से सात दिन के अन्तराल तथा सर्दियों में दस से पन्द्रह दिन के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए।

## फ़सल सुरक्षा

डेम्पिंग ऑफ एवं सरकोस्पोरा ड्डलीफ स्पोट मुख्य बीमारियाँ हैं। डेम्पिंक ऑफ से बचने के लिए बीज को बुआई से पहले 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से कैप्टन या थिरम से उपचारित करना चाहिए। जबकि सरकोस्पोरा लीफ स्पाट, जिसमें पत्तियों पर भूरे रंग के गोल घब्बे बन जाते हैं, के नियंत्रण के लिए ब्लाइटाक्स ;कॉपर आक्सीक्लोराइड दवाई ; दो ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीटल, पत्ती खाने वाला लार्वा, टिड्डा और एफिड कीड़े पालक को नुकसान पहुँचाते हैं। इन कीडों की रोकथाम के लिए मिथाइल पेराथियोन 50 ई0सी0 की दो ग्राम प्रति लीटर पानी में छिड़काव करने से पत्तियों को नुकसान पहुँचाने वाले कीडों से बचाया जा सकता है।

## केंद्र सरकार ने कच्चे तेल और एटीएफ पर विंडफॉल टैक्स घटाया

**नई दिल्ली ।** केंद्र सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम पर विंडफाल टैक्स 1,300 रुपये से घटाकर 5,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जेट ईंधन (एटीएफ) पर लेवी भी 1.11 लाख रुपये प्रति किलोलीटर से घटाकर 1.06 लाख रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई है। केंद्र ने इससे पहले 16 नवंबर को डीजल और कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाया था। कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 9,800 रुपये प्रति टन से घटाकर 6,300 रुपये ( 75.70) प्रति टन कर दिया गया था, जबकि डीजल के लिए इसे 2 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 1 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया। जेट ईंधन और पेट्रोल निर्यात पर टैक्स शून्य रहा। अक्टूबर में सरकार ने कच्चे तेल पर` विंडफाल टैक्स 9,050 रुपये से बढ़ाकर 9,800 रुपये प्रति टन कर दिया था। इसके अतिरिक्त, विमानन टरबाइन ईंधन पर विंडफॉल टैक्स, जो पहले 1 रुपये प्रति लीटर था, समाप्त कर दिया गया। इससे पहले 18 अक्टूबर को केंद्र ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 12,100 रुपये प्रति टन से घटाकर 9,050 रुपये प्रति टन कर दिया था। भारत ने पिछले साल जुलाई में कच्चे तेल उत्पादकों पर विंडफॉल टैक्स लगाया था और गैसोलीन, डीजल और विमानन ईंधन के निर्यात पर लेवी बढ़ा दी थी क्योंकि निजी रिफाइनर स्थानीय स्तर पर बेचने के बजाय विदेशी बाजारों में मजबूत रिफाइनिंग मुनाफे से लाभ कमाना चाहते थे। उस समय, पेट्रोल और एटीएफ पर 6 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया गया था।

## व्हर्लपूल इंडिया के शेयरों में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट

**नई दिल्ली।** मूल कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 24 फीसदी तक कम करने की घोषणा के बाद शुक्रवार को व्हर्लपूल ऑफ इंडिया के शेयरों में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट आई।बीएसई पर व्हर्लपूल ऑफ इंडिया का शेयर 8.83 फीसदी गिरकर 1429 रुपये पर है। व्हर्लपूल कॉर्पोरेशन ने गुरुवार को 2024 में व्हर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड (व्हर्लपूल इंडिया) में अपने स्वामित्व हित का 24 प्रतिशत तक बेचने की घोषणा की थी। व्हर्लपूल वर्तमान में पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के माध्यम से व्हर्लपूल इंडिया में 75 प्रतिशत स्वामित्व हित रखता है, और इस तरह के लेनदेन के पूरा होने के बाद व्हर्लपूल इंडिया में बहुमत हित बनाए रखने का इरादा रखता है। कंपनी को उम्मीद है कि लेन-देन से प्राप्त आय का उपयोग ऋण कम करने के लिए किया जाएगा, जिससे बैलेंस शीट मजबूत होगी। व्हर्लपूल ने कहा कि वह भारत को विकास के लिए एक महत्वपूर्ण बाज़ार के रूप में देखता है। व्हर्लपूल ने कहा, कंपनी नए उत्पाद लॉन्च करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी को नहीं लगता कि इस घोषणा से पहले जारी किए गए पूरे साल के मार्गदर्शन पर असर पड़ेगा।

## जनवरी 2024 में मारुति सुजुकी की गाडियां होगी महंगी

**नई दिल्ली ।** ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया जनवरी 2024 में अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी कम कीमत की छोटी कार ऑल्टो से लेकर मल्टी-यूटिलिटी वाहन इनविक्टो तक वाहनों की एक श्रृंखला बेचती है। इनकी कीमत 3.54 लाख रुपये से 28.42 लाख रुपये (एक्स-शोरूम दिल्ली) के बीच है। हालांकि, कंपनी ने अब दाम कितने बढ़ाए जाएंगे इसकी कोई जानकारी नहीं दी। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, ''कंपनी ने समग्र मुद्रास्फीति और बढ़ी हुई जिंस कीमतों के चलते लागत दबाव में वृद्धि के कारण जनवरी 2024 में अपनी कारों की कीमतें बढ़ाने की योजना बनाई है। '' जर्मनी की लक्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी ने भी कच्चे माल की मांग और परिचालन लागत बढ़ने का हवाला देते हुए अगले साल जनवरी से भारत में अपने वाहनों की कीमतें दो प्रतिशत तक बढ़ाने की घोषणा की है। नए साल में अन्य कंपनियां भी अपने वाहनों की कीमतों में इजाफा करने पर विचार कर रही है।

# दो हजार रुपये के 97 प्रतिशत से अधिक नोट आ गए वापस : आरबीआई

**मुंबई।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को घोषणा की कि 30 नवंबर, 2023 को कारोबार बंद होने पर प्रचलन में 2,000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य घटकर 9,760 करोड़ रुपये हो गया है। इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक प्रचलन में 2,000 रुपये के 97.26 प्रतिशत बैंक नोट वापस आ गए हैं। जब 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा की गई तो उनकी कुल कीमत 3.56 लाख करोड़ रुपये थी। 2,000 रुपये के बैंक नोटों को जमा करने या बदलने की सुविधा शुरुआत में 30 सितंबर तक देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी, जिसे बाद में 7 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया था। 2,000 रुपये के बैंक नोटों को बदलने की सुविधा आरबीआई के 19 निर्गम कार्यालयों में भी उपलब्ध थी। काउंटरों पर 2,000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को बदलने के अलावा, आरबीआई कार्यालय व्यक्तियों/संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2,000 रुपये के बैंक नोट भी स्वीकार कर रहे हैं। देश के भीतर से जनता के सदस्य भारत में अपने बैंक खातों में क्रेडिट के लिए देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के माध्यम से आरबीआई के किसी भी जारी कार्यालय को 2,000 रुपये के बैंक नोट भेज सकते हैं।

## नवंबर में बजाज ऑटो की बिक्री 31 प्रतिशत बढ़ी

**नई दिल्ली ।** बजाज ऑटो की नवंबर में कुल बिक्री सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 4,03,003 इकाई रही। कंपनी ने नवंबर 2022 में 3,06,719 इकाइयों की बिक्री की थी। पुणे स्थित बजाज ऑटो लिमिटेड की ओर से जारी बयान के अनुसार पिछले महीने कुल घरेलू बिक्री 69 प्रतिशत बढ़कर 2,57,744 इकाई हो गई, जबकि नवंबर 2022 में यह 1,52,883 इकाई थी। बयान में कहा गया, समीक्षाधीन महीने में निर्यात छह प्रतिशत घटकर 1,45,259 रह गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में 1,53,836 वाहन विदेशी बाजारों में भेजे गए थे। दोपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री 2,18,597 इकाई रही, जो नवंबर 2022 में बेची गई 1,23,657 इकाइयों की तुलना में 77 प्रतिशत अधिक है। निर्यात पिछले महीने में सालाना आधार पर छह प्रतिशत गिरकर 1,30,451 इकाई रह गया। नवंबर 2023 में दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री 3,49,048 इकाई रही, जो पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है।

## नवंबर में भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सुधार, उत्पादन तेज

**नई दिल्ली ।** नवंबर में भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के प्रदर्शन में सुधार देखा गया। अक्टूबर में मंदी के बाद, ग्राहकों की बढ़ती मांग और इनपुट की बेहतर उपलब्धता के कारण उत्पादन वृद्धि में तेजी आई, जिससे उत्पादन मात्रा में वृद्धि हुई। नवंबर में भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने अक्टूबर की धीमी गति से वापसी की, एसएंडपी ग्लोबल पीएमआई 55.5 से बढ़कर 56.0 हो गया। यह बेहतर ऑपरेटिंग कंडीशन को दर्शाता है, हालांकि यह दूसरी तिमाही के औसत 57.9 से थोड़ा कम है। कुल मिलाकर, चीजें बेहतर दिख रही हैं। यदि रीडिंग 50 से ज्यादा है, तो इसका मतलब ग्रोथ है और यदि यह 50 से नीचे है, तो यह गिरावट का संकेत है। मुद्रास्फीति का दबाव शांत हो गया, और खरीद की लागत अगस्त 2020 के बाद से सबसे धीमी दर से बढ़ी। कंपनियों ने ज्यादातर अक्टूबर से अपनी फीस अपरिवर्तित रखी। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में इकोनॉमिक्स एसोसिएट डायरेक्टर पोलियाना डी लीमा ने कहा कि भारत का मैन्युफैक्चरिंग उद्योग नवंबर में मजबूत रहा। उत्पादन वृद्धि में तेजी आई और सेक्टर की सफलता घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए व्यवसाय हासिल करने वाली कंपनियों पर निर्भर रही। हालिया रिपोर्ट में दिखाया गया है कि कीमतें बढ़ रही हैं लेकिन पहले जितनी नहीं। यह 40 महीनों में सबसे कम वृद्धि है और ऐतिहासिक रूप से कोई बड़ी बात नहीं है।

# हरे निशान पर बंद हुआ बाजार, निफ्टी इंट्रा-डे में आल टाइम हाई के पार

**मुंबई।**

दिसंबर माह के पहले और इस सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू बाजार हरे निशान में बंद हुए। सितंबर तिमाही के लिए उम्मीद से बेहतर आए जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों ने बाजार को मजबूती दी। इसके अलावा विदेशी बाजारों से मिले मजबूत संकेत भी मार्केट में उछाल के लिए जिम्मेदार रहे। 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 492.75 अंकों की उछाल के साथ 67,481.19 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 50 इंट्रा-डे में आल टाइम हाई पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 शुक्रवार को 134.75 अंकों की तेजी के साथ 20,267.90 पर बंद हुआ।

नवंबर में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई के बेहतर आंकड़ों ने भी बाजार के सेंटीमेंट को मजबूत किया। अक्टूबर में सुस्ती के बाद, ग्राहकों की बढ़ती मांग और इनपुट की बेहतर उपलब्धता के कारण नवंबर में पीएमई 55.5 से बढ़कर 56.0 हो गया। भारत के पास दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का टैग बरकरार है, सरकारी खर्च और मैन्युफैक्चरिंग में बढ़त की वजह से सितंबर तिमाही में इसकी जीडीपी उम्मीद से कहीं ज्यादा 7.6 फीसदी की दर से बढ़ी है। बीएसई सेंसेक्स 30 में शामिल कंपनियों में आईटीसी, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, लॉर्सन एंड टुब्रो (एलटी) , बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और एसबीआई में प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, टाइटन, भारती एयरटेल इंफोसिस और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं।

एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 8,147.85 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। एशियाई बाजारों में, शंघाई भी हरे निशान में बंद हुआ, जबकि सियोल, टोक्यो और हांगकांग निचले स्तर पर बंद हुए। यूरोपीय बाजार पॉजिटिव नोट के साथ में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए। इस बीच, बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.57 प्रतिशत गिरकर 80.40 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

# आरबीआई ने एचडीएफसी, बैंक ऑफ अमेरिका सहित तीन बैंकों पर लगाया जुर्माना

**- केंद्रीय बैंक ने सभी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया**

**मुंबई ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों का उल्लंघन करने पर एचडीफसी बैंक, बैंक ऑफ अमेरिका समेत तीन को-ऑपरेटिव बैंकों पर आर्थिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक आरबीआई ने इन सभी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। हफ्ते भर में आरबीआई का बैंकों और को-ऑपरेटिव पर यह दूसरी कार्रवाई है। एचडीफसी बैंक और बैंक ऑफ अमेरिका पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना लगा है। ये दोनों बैंक नॉन रेजिडेंट इंडियन से पैसा जमा करवाने के नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। आरबीआई के मुताबिक, दोनों बैंक फेमा कानून का उचित तरीके से पालन नहीं कर रहे थे। नोटिस का उचित जवाब नहीं मिलने पर इनसे जुर्माना वसूला जाएगा। आरबीआई की कार्यवाही के दायरे में तीन कोपरेटिव बैंक भी आए हैं। इनमें गुजरात के ध्रांगधरा पीपुल्स को-ऑपरेटिव बैंक पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। बैंक पर डिपॉजिट से जुड़े नियमों का सही से पालन न करने का आरोप है। इसके अलावा अहमदाबाद के मंडल नागरिक सहकारी बैंक पर 1.5 लाख रुपए और बिहार के पाटलीपुत्र सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक पर भी 1.5 लाख रुपए का जुर्माना लगा है। केंद्रीय बैंक पिछले कुछ समय से लगातार बैंकों और को-ऑपरेटिव बैंकों पर सख्ती कर रहा है। आबीआई ने लगभग एक हफ्ते पहले नियमों का उल्लंघन कर रहे तीन बैंकों पर 10 करोड़ रुपए से भी ज्यादा जुर्माना लगाया था। साथ ही 5 को-ऑपरेटिव बैंकों पर भी कार्यवाही की थी। केंद्रीय बैंक ने सिटी बैंक पर 5 करोड़, बैंक ऑफ बड़ौदा पर 4.34 करोड़ और इंडियन ओवरसीज बैंक पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना ठोका था। रिजर्व बैंक ने गाइडलाइन का पालन ठीक से नहीं करने की वजह से जुर्माना लगाया था। आरबीआई ने विभिन्न नियमों का उल्लंघन कर रहे 5 कोऑपरेटिव बैंकों पर भी जुर्माना लगाया था। इनमें श्री महिला सेवा सहकारी बैंक, पोरबंदर विभागीय नागरिक सहकारी बैंक, सर्वोदय नागरिक सहकारी बैंक, खंबात नागरिक सहकारी बैंक और वेजलपुर नागरिक सहकारी बैंक शामिल हैं। इन पर 25 हजार रुपए से 2.5 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया गया था। इन जुर्मानों का ग्राहकों पर कोई असर नहीं पड़ता।

## पंजाब सरकार ने गन्ने की कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाई

**चंडीगढ़ ।**

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को गन्ने की कीमत में 11 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की घोषणा की और कहा कि 391 रुपये प्रति क्विंटल की नई दर देश में सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले ही किसानों को आश्वासन दिया था कि उनके लिए अच्छी खबर आने वाली है। मान ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 11 रुपये की बढ़ोतरी के साथ नई दर 391 रुपये प्रति क्विंटल होगी, जो देश में सबसे अधिक होगी। किसानों ने हाल ही में गन्ने का दाम 380 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 450 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने धानोवाली गांव के पास जालंधर-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग के जालंधर-फगवाड़ा हिस्से को अवरुद्ध कर दिया था। चौथे दिन किसान नेताओं और मुख्यमंत्री मान के बीच हुई बैठक के बाद धरना खत्म किया गया था। मान ने पिछले सप्ताह कहा था कि जहां तक गन्ने की दर बढ़ाने का सवाल है, पंजाब हमेशा आगे रहा है। पड़ोसी राज्य हरियाणा ने पिछले महीने गन्ने की कीमत 14 रुपये बढ़ाकर 386 रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा की थी।

# बेंगलुरु टेक समिट : वैज्ञानिक माशेलकर ने कहा, भारत में प्रति डॉलर सबसे अधिक बौद्धिक पूंजी है

**बेंगलुरु।**

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के पूर्व महानिदेशक आर.ए. माशेलकर ने कहा कि भारत के पास प्रति डॉलर सबसे अधिक बौद्धिक पूंजी (हाईएस्ट इंटेलेक्चुअल कैपिटल) है, यही कारण है कि भारतीय नवाचार दुनिया में धूम मचा रहा है।बेंगलुरु टेक समिट 2023 में एक पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए, प्रमुख लीडर और इनोवेशन विशेषज्ञ ने राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला के एक वर्ष के भीतर अंतर्राष्ट्रीय परामर्श संगठन बनने और हाल ही में भारत के यूपीआई इनोवेशन का उदाहरण दिया, जिसमें 2022 में 74.05 बिलियन से अधिक लेनदेन हुए, जो दुनिया के लेनदेन का 46 प्रतिशत है। उन्होंने आगे कहा, हमारा यूपीआई अब भूटान और सिंगापुर में भी स्वीकार किया जा रहा है, जो हमारे लोगों के जमीनी स्तर के दृष्टिकोण को दर्शाता है। आर.ए. माशेलकर ने स्टार्ट-अप को सुनिश्चित सफलता के लिए छह सिद्धांतों का पालन करने के बारे में बताया। ऐसी पेशकशें करें जो सस्ती हों, आसानी से स्केलेबल हों, व्यवसाय को टिकाऊ बनाएं, पेश किए गए उत्पाद या सेवा को सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए। इसमें उत्कृष्ट विशेषताओं के साथ तेजी से बाजार में उतरने की रणनीति होनी चाहिए और एक विशिष्ट व्यावसायिक विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक स्टार्ट-अप संस्कृति में अनुकरणीय उपलब्धियों वाला एक अविश्वसनीय राज्य है। उन्होंने ÷अमेजिंग 40 प्रतिशत राज्य÷ होने के लिए राज्य की सराहना की, जो 40 प्रतिशत जीसीसी, 40 प्रतिशत भारत की सॉफ्टवेयर प्रतिभा, 40 प्रतिशत यूनिकॉर्न और 40 प्रतिशत निर्यात के लिए जिम्मेदार है।उन्होंने राज्य को सब्सिडी और अनुदान के साथ इनोवेटिव एसएमई को प्रोत्साहित करके एक आईपी नीति बनाने में नेतृत्व दिखाने की भी सिफारिश की। कर्नाटक ज्ञान की राजधानी और इनोवेशन का केंद्र है, लेकिन विकास में अगली छलांग के लिए राज्य को इनोवेशन के नेतृत्व वाले वृद्धिशील विकास से तेजी विकास की ओर बढ़ना होगा।इस विकास रणनीति को 'सुधार' करार देते हुए उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप संस्कृति को गेम-चेंजिंग लोकाचार में बदलना होगा।

## पीयूष गोयल ने कॉरपोरेट्स से निवेश बढ़ाने का किया आग्रह

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कॉरपोरेट्स से भारत में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया, क्योंकि बुनियादी ढांचे के बड़े पैमाने पर विकास से देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ रही है।

तीसरे भारत ऋण पूंजी बाजार शिखर सम्मेलन 2023 - के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए, गोयल ने कहा÷ ÷वित्तपोषण का प्रतिस्पर्धी स्रोत उन लोगों से निवेश आकर्षित कर रहा है जो अधिक सुरक्षा की तलाश में हैं। शेयर बाजार भी पहली बार 4 ट्रिलियन का आंकड़ा छू रहा है और भारत बड़े अवसरों वाले शीर्ष पांच वैश्विक बाजारों में से एक है। उन्होंने कहा कि भारत की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों का भारी निवेश देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है और इसे गति दे रहा है।

गोयल ने कॉरपोरेट जगत से भारत में निवेश करने का आग्रह किया, क्योंकि देश दुनिया के एक विश्वसनीय भागीदार और एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में बहुत उज्ज्वल भविष्य के शिखर पर खड़ा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत आज एक अच्छी स्थिति में है जहां वह आश्वस्त हो सकता है कि आने वाले कई वर्षों तक उसे उस तरह का संकट नहीं होगा जैसा 2013 में देखा गया था। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इस तिमाही में 7.6 प्रतिशत की दर से सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। गोयल ने कहा कि एक लचीला ऋण पूंजी बाजार नवाचार, उद्यमिता और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उत्प्रेरक होगा। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दशकों में बड़े पैमाने पर शहरीकरण होगा क्योंकि टियर 2 शहर भी महानगर बनने जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की आय बढ़ रही है, इससे देश भर में खर्च करने की शक्ति बढ़ रही है।

एआई, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन जैसे भविष्य के क्षेत्र हमारे भविष्य को शक्ति प्रदान करेंगे। हरित और टिकाऊ ऊर्जा ही आगे का रास्ता होगी और पूंजी बाजार और ऋण बाजार हमारी ऊर्जा को निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था में बदलने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक हमारे 3.7 ट्रिलियन डॉलर में 30 ट्रिलियन डॉलर जोड़ देगा। मंत्री ने यह भी देखा कि भारत वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को 2021 में 500 बिलियन से पिछले वर्ष 776 बिलियन तक, लगभग 55 प्रतिशत तक बढ़ाने में सक्षम रहा है।

## रेमंड के स्वतंत्र निदेशकों ने कहा, उन्हें वैवाहिक विवादों की जांच करने की आवश्यकता नहीं

**नई दिल्ली।**

रेमंड लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशकों (आईडी) ने कहा है कि न तो किसी कानून और न ही किसी कॉरपोरेट गवर्नेंस मानक के तहत उन्हें ऐसे वैवाहिक विवादों की जांच करने या गुण-दोष के बारे में गहराई से जानने की जरूरत है। उन्होंने कहा, आईडी यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क हैं कि दो प्रमोटर निदेशकों के बीच वैवाहिक विवाद किसी भी तरह से कंपनी के मामलों और व्यवसाय के प्रबंधन के लिए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक की क्षमता को प्रभावित नहीं करते हैं। उन्होंने कहा,आईडी, पिछले कुछ हफ्तों से, बैठक कर रहे हैं और स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, जहां तक यह कंपनी और अल्पसंख्यक शेयरधारकों को प्रभावित करता है; और हर समय, गैर-प्रवर्तक अल्पसंख्यक शेयरधारकों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के हितों की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। उन्होंने कहा,आईडी उभरती स्थिति को देखते हुए अत्यधिक सतर्कता बरतती रहेगी और सभी हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए, आवश्यक होने पर, सक्रिय रूप से उपाय शुरू करने में संकोच नहीं करेगी। आईडी ने वरिष्ठ स्वतंत्र कानूनी सलाहकार बर्जिस देसाई को बनाए रखने का फैसला किया है, जो आईडी को सलाह देने के लिए प्रमोटरों या कंपनी के साथ कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा,आईडी हितधारकों को आश्वस्त करना चाहता है कि वे निष्पक्षता से कार्य करेंगे। सर्वोपरि विचार हमेशा कंपनी और उसके गैर-प्रवर्तक शेयरधारकों के हितों का होगा। कोई भी भौतिक विकास या उपचारात्मक उपाय जो कंपनी को प्रभावित करता है, उसे तुरंत सूचित किया जाएगा पूरी पारदर्शिता की भावना से। कॉर्पोरेट गवर्नेंस सलाहकार फर्म, इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज इंडिया लिमिटेड (आईआईएएस) ने रेमंड के स्वतंत्र निदेशकों को एक पत्र में लिखा था, आपके कार्यों से कंपनी को नवाज मोदी और गौतम सिंघानिया के बीच लंबे समय तक चलने वाली तीखी लड़ाई से बचाया जाना चाहिए। यह पत्र स्वतंत्र निदेशकों मुकीता झावेरी, आशीष कपाड़िया, दिनेश लाल, के नरसिम्हा मूर्ति और शिव सुरिंदर कुमार को संबोधित किया गया है।

# कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 21 रुपए बढ़ी

**- अब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला गैस सिलेंडर 1796.5 रुपये में मिलेगा**

**नई दिल्ली ।**

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 21 रुपये तक बढ़ा दी है। इससे पहले 1 नवंबर को भी इसकी कीमत 100 रुपये बढ़ाई गई थी। हालांकि उसके बाद 16 नवंबर को इसकी कीमत में 57 रुपये की कटौती की गई थी। अब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला गैस सिलेंडर 1796.5 रुपये में मिलेगा। बता दें कि घरेलू गैस की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली के अलावा मुंबई में अब कमर्शियल एलपीजी के लिए 1,749 रुपये चुकाने होंगे। वहीं चेन्नई में 1,968.50 व कोलकाता में इसकी कीमत 1,908 रुपये हो गई है। यह बदलाव तुरंत प्रभाव से लागू हो गए हैं। इससे पहले दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी की कीमत 1775.50 रुपये थी। हालों कि घरेलू गैस की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आखिरी बार 30 अगस्त को नॉन सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कटौती की गई थी, तब दिल्ली में इसे घटाकर 1103 रुपये से 903 रुपये कर दिया गया था। कोलकाता में इसकी कीमत 929 रुपये, मुंबई में 902.50 रुपये और चेन्नई में 918.50 रुपये है। कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद से बाहर का खाना महंगा हो सकता है।

# 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है आईपीएल मीडिया अधिकारों की कीमत

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अध्यक्ष अरूण धूमल का मानना है कि अगर खेल प्रेमियों की दिलचस्पी को ध्यान में रखते हुए लीग में नयापन और सुधार होता रहे तो इसके मीडिया अधिकारों की कीमत अगले दो दशक में 50 अरब डॉलर (50 बिलियन) तक पहुंच सकती है। इस समय आईपीएल के पांच साल के लिए मीडिया अधिकारों की कीमत करीब 48000 करोड़ रूपये (6.2 बिलियन डॉलर) है।

इस तरह कीमत के हिसाब से नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के बाद आईपीएल दूसरे नंबर की लीग है। एनएफएल ने पिछले साल 11 वर्ष के लिए 110 बिलियन डॉलर की कीमत का करार किया है। धूमल ने यहां 'आरसीबी इनोवेशन लैब्स' के 'लीडर्स मीट इंडिया' कार्यक्रम में कहा, 'अगर मुझे देखना है कि यह पिछले 15 साल में कैसा रहा और आगे यह कैसा होगा तो हमें आईपीएल के मीडिया अधिकारों के करीब 2043 तक 50 बिलियन डॉलर (50 अरब डॉलर) के करीब पहुंचने की उम्मीद है।'

धूमल भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई(के कोषाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने महिलाओं की प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरूआत और क्रिकेट के 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किये जाने से भी वित्तीय लाभ की उम्मीद जतायी। धूमल ने कहा, 'हमें नयापन लाते रहने की जरूरत है, खेल प्रेमियों की भागीदारी के मामले में बेहतर करते रहने की जरूरत है और मैच के स्तर के मामले में इन्हें बेहतर करते रहने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'अब क्रिकेट ओलंपिक का भी हिस्सा बन रहा है और महिलाओं के क्रिकेट में डब्ल्यूपीएल भी इसे अलग स्तर पर ले जा रहा है तो मुझे काफी उम्मीदें हैं।% पिछले डेढ़ दशक में आईपीएल के मीडिया अधिकारों की कीमत काफी तेजी से बढ़ी है जो 2008 में 6000 करोड़ रूपए थी। इससे यह दुनिया भर की कई बड़ी खेल लीगों को पछाड़ती जा रही है। धूमल ने आईपीएल की बढ़ती लोकप्रियता के बारे में बात करते हुए कहा, 'आईपीएल दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली क्रिकेट लीग है। व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि स्वतंत्रता के बाद देखें तो आईपीएल 'मेक इन ब्रांड' का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है।'

# दक्षिण अफ्रीका टी20 लीग ने एबी डिविलियर्स को बनाया ब्रांड एम्बेसडर

**जोहानिसबर्ग (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका की प्रीमियर टी20 क्रिकेट लीग एसएटी20 ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को दूसरे सत्र के लिये आधिकारिक ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। लीग का दूसरा सत्र 10 जनवरी से शुरू होगा जिसमें चार सप्ताह के भीतर 34 मैच खेले जाएंगे। इसमें छह वैश्विक टीमों के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भाग लेंगे।

डिविलियर्स लीग की प्रबंधन टीम के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि इसके प्रशंसकों का दायरा बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा, 'एसए टी20 से जुड़ना फख्र की बात है। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट की इस अग्रणी लीग में वैश्विक क्रिकेट मानचित्र पर चमकने का माद्दा है।'

डिविलियर्स के जुड़ने के बारे में बेटवे एसए टी20 लीग के कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने कहा, 'एबी की अपार क्रिकेट प्रतिभा और दमदार शख्सियत उन्हें इस लीग के लिए परफेक्ट बनाती है। उनके जुड़ने से लीग का दर्जा मैदान के भीतर और बाहर बढ़ेगा।'

# पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड की महिला टीम घोषित

**वेलिंगटन (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ अगले माह घरेलू मैदान पर होने वाली श्रृंखला के लिए महिला टीम की घोषणा कर दी है। इस श्रृंखला में तीन टी-20 और उसके बाद तीन एकदिवसीय मैच सफेद गेंद से खेलने और यह बांग्लादेश में अगले साल होने वाले आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप से पहले अनुभव प्रदान करेगा। कप्तान सोफी डिवाइन एक बार फिर पूरी श्रृंखला में न्यूजीलैंड की टीम कप्तान होंगी।

रिपोर्ट के अनुसार केर हालांकि तीन दिसंबर को डुनेडिन में श्रृंखला के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगी क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया की घरेलू डब्ल्यूबीबीएल प्रतियोगिता के फाइनल में भाग लेंगी। न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर को उम्मीद है कि यह श्रृंखला 2024 टी-20 विश्वकप की शुरुआत से पहले उनकी टीम को अपने कौशल को निखारने का अच्छा मौका है।

सॉयर ने कहा, 'हम द्विपक्षीय श्रृंखला में हाल के अच्छे फॉर्म के आधार पर टीम चाहते हैं, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अगले वर्ष बांग्लादेश में टी-20 विश्वकप को ध्यान में रखकर संयोजन विकसित करना जारी रखना है। उन्होंने कहा, एकदिवसीय परिप्रेक्ष्य के साथ ही साथ अपने गेम प्लान को विकसित करना बेहद महत्वपूर्ण है कि हम जितना संभव हो उतने विश्व चैम्पियनशिप अंक प्राप्त करें। उन्होंने कहा, 'उनके पास एक मजबूत स्पिन आक्रमण और एक खतरनाक शीर्ष क्रम है जो उनके विकेट को बहुत महत्व देता है, जिससे उन्हें गेंदबाजी करना मुश्किल हो जाता है।

**न्यूजीलैंड टीम -** सोफी डिवाइन (कप्तान), केट एंडरसन, सुजी बेट्स, बर्नाडाइन बेजुइडेनहौट, एडेन कार्सन (केवल टी-20ई), इजी गेज (एकदिवसीय और पहला टी-20 ), मैडी ग्रीन, फ्रान जोनास, मेली केर, जेस केर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, ह्ना रोवे, ली ताहुहू।

# रहाणे और पुजारा के बिना द.अफ्रीका के खिलाफ उतारेगी टीम इंडिया

## -श्रेयस अय्यर की टेस्ट टीम में वापसी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका में बीते साल टीम इंडिया ने टेस्ट सीरीज गंवा दी थी। इस बार ऐसा न हो इसकारण बीसीसीआई ने मजबूत टीम चुनी है। इसमें जहां श्रेयस अय्यर की टेस्ट टीम में वापसी हुई है वहीं, अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को टीम में न चुनकर सभी को चौका दिया है। रहाणे ने बीती जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेल थे।

टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका में तीन टी20ई और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलने हैं। इसके बाद 26 दिसंबर और 3 जनवरी को सेंचुरियन और जोहान्सबर्ग में दो टेस्ट खेलने हैं। चयनकर्ताओं ने टीम इंडिया का पूरा मेकओवर किया है। टेस्ट के लिए अनुभवी लोग भेजे हैं जिनका मकसद दक्षिण

अफ्रीका में भारतीय टीम को पहली टेस्ट सीरीज जीत दिलाना होगा।

2010 टेस्ट सीरीज के बाद ऐसा पहली बार होगा जब टेस्ट टीम बिना चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे के मैदान पर उतरेगी। इन्हें न चुने जाने पर टीम इंडिया के मध्यक्रम में बदलाव की पूरी संभावना है। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कैरेबियन में हुए दो मुकाबलों में प्रभावित किया था, इसके बाद भारत द्वारा उन्हें बेंच पर नहीं बिठाएगा। वह रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग पर जोड़ी बना सकते हैं, जबकि शुभमन गिल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है। विराट कोहली को नंबर 4 पर रखा गया है। नंबर 5 पर श्रेयस अय्यर, फिर ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा और विकेटकीपर इशान किशन शामिल हैं।

टेस्ट टीम से कुलदीप यादव को फिर नजरअंदाज कर दिया गया है। आर अश्विन और जडेजा के मिश्रण और सीमर्स के लिए अनुकूल परिस्थितियों के साथ, चयनकर्ताओं ने उसी के अनुसार टीम चुनी है। पेस यूनिट में 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बाद पहली बार जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की तिकड़ी एक साथ आएगी।

# शुभमन को कप्तानी मिलने पर डिविलियर्स ने खड़े किए सवाल

नई दिल्ली । आईपीएल के 17वें सीजन में गुजरात टाइटंस टीम की कप्तानी भारतीय क्रिकेट टीम के उदीयमान ओपनर शुभमन गिल करेंगे। वहीं गिल की नियुक्ति के साथ ही दिग्गज खिलाडी ने सवाल भी खड़े कर दिए है। गिल को कप्तान बनाए जाने पर दिग्गज क्रिकेटर एबी डिविलियर्स खुश नहीं हैं। डिविलियर्स का कहना है कि गिल की जगह यदि इस सीनियर खिलाड़ी को कप्तान बनाया जाता तो अच्छा होता। गुजरात टाइटंस को आईपीएल में आए अभी 2 साल हुए हैं। दोनों साल टीम की कमान हार्दिक पंड्या ने संभाली थी। पंड्या ने कप्तानी में डेब्यू करते हुए पहले सीजन में ही गुजरात को चैंपियन बनाया था। हार्दिक पंड्या अब ट्रेड के तहत मुंबई इंडियंस लौट गए हैं जहां वह इससे पहले कई साल बिता चुके हैं। पंड्या के मुंबई जाने के बाद गुजरात टाइटंस में कप्तानी के कई विकल्प थे। गुजरात ने केन विलियम्सन और राशिद खान को आईपीएल के आगामी सीजन के लिए रीटेन किया है। लेकिन फ्रेंचाइजी ने टीम की कमान गिल के हाथों में सौंपी है। कई दिग्गजों का कहना है कि गिल को जल्दी कप्तान बनाया जाना फ्रेंचाइजी की ओर से अच्छा फैसला है लेकिन कई ऐसे भी हैं जिन्होंने इसपर सवाल उठाए हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स का मनना है कि गिल को फ्रेंचाइजी ने जल्दी कप्तान बना दिया है और उन्हें इस युवा को कुछ और दिन तक बतौर खिलाड़ी खेलते रहना चाहिए था। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ' गिल यदि किसी और की कप्तानी में खेलते तो वह काफी कुछ उससे सीखते। जब केन विलियम्सन को रीटेन किया गया तो मुझे लगा कि यह बेहतरीन मौका है कि किसी अनुभवी खिलाड़ी को कप्तानी दी जाए। शुभमन गिल को इंडियन क्रिकेट टीम में तीनों फॉर्मेट में अपनी जगह पक्की करने का मौका मिलता और एक और आईपीएल सीजन में बेहतर करने का मौका होता।' शुभमन गिल ने आईपीएल 2023 में 890 रन बनाकर ऑरेंज कैप पर कब्जा किया था। इस साल वह इंटरनेशनल क्रिकेट में अभी तक शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। बकौल डिविलियर्स, ' उन्होंने (गुजरात टाइटंस) ने उन्हें कप्तान बना दिया। मैं यह नहीं कह रहा कि यह गलत है। मैं बस इतना कहना चाहता हूं यदि वह एक साल केन विलियम्सन की कप्तानी में खेलते तो उन्हें सीखने को काफी कुछ मिलता और उन्हें 2025 में टीम का कप्तान बना देते।' गिल पहली बार आईपीएल में किसी टीम की कप्तानी करेंगे। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि कप्तान का बोझ वह झेल पाते हैं या नहीं। बता दें कि हार्दिक पंड्या की 'घर वापसी' के बाद गुजरात टाइटंस ने टीम इंडिया के 'प्रिंस' को अपना नया कप्तान नियुक्त किया है। गिल के लिए आईपीएल का पिछला सीजन धमाकेदार रहा था। उन्होंने सर्वाधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने पास रखी थी।

# हिटमैन रोहित ने बनाया ऐसा रिकॉर्ड उस तोड़ पाना दूर की कौड़ी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, इस रिकॉर्ड तोड़ना दुनिया के किसी भी बैटर के लिए बेहद मुश्किल होगा। वर्ल्डकप 2023 के 11 मैचों में 54.27 के औसत से 597 रन बनाने वाले रोहित दुनिया के इकलौते एकमात्र बैटर हैं जिसने वनडे इंटरनेशनल में 10 कैलेंडर ईयर में 50 प्लस का बैटिंग औसत दर्ज किया है। वर्ष 2023 की बात करें, तब रोहित ने 27 वनडे में अब तक 52.29 के औसत से 1255 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक हैं। चूंकि अगले माह दिसंबर में होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित शर्मा का नाम शामिल नहीं हैं, इसके बाद तय है कि रोहित 52.29 के वनडे औसत से साथ ही वर्ष 2023 का समापन कर सकते हैं।

रोहित की बात करें तब वे वर्ष 2011, 2013,2014, 2015, 2016, 2017,2018, 2019, 2020 और 2023 में वनडे इंटरनेशनल में 50 रन या इससे अधिक का औसत दर्ज कर चुके हैं। वर्ष 2007 में इंटरनेशनल डे?यू करने वाले रोहित शर्मा ने अब तक 262 वनडे मैच खेले हैं और 49.12 के औसत से 10709 रन बनाए हैं जिसमें 31 शतक हैं, इस दौरान 264 रन उनका सर्वोच्च स्?कोर रहा है। 292 वनडे में 58.67 के बेहतरीन औसत से 13848 और 463 वनडे में 44.83 के औसत से 18426 रन बनाने वाले सचिन तेंदुलकर भी इस मामले में 'हिटमैन रोहित शर्मा से पीछे हैं। विराट ने 9 कैलेंडर ईयर में 50 प्लस के औसत से जबकि सचिन ने 7 कैलेंडर ईयर में रन बनाए हैं। पाकिस?तान के बाबर आजम ने छह कैलेंडर ईयर में 50 रन इससे अधिक का औसत दर्ज किया है।

# कोलकाता नाइट राइडर्स मेरे दिल के बहुत ही करीब : गौतम गंभीर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में मेंटर के रूप में अपनी वापसी के बाद, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गौतम गंभीर ने कहा कि फ्रेंचाइजी उनके दिल के बहुत करीब है। गंभीर ने उम्मीद जाहिर की हैं कि वह आईपीएल के आगामी सीजन में फ्रेंचाइजी के लिए अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। गंभीर ने कहा कि वह दो बार के आईपीएल चैंपियन के साथ अपने पिछले कार्यकाल के दौरान बंगाल के लोगों से मिले प्यार का बदला चुकाना चाहते हैं। गंभीर ने कहा कि वहां वापस जा रहा हूं जहां ढेर सारी भावनाएं थीं, पसीना था, कड़ी मेहनत थी,वहां सारी यादें वापस आ रही हैं। यह एक नई शुरुआत है और उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। केकेआर मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि हमें इतना प्यार मिला है। गंभीर ने दो साल तक लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के मेंटर के रूप में काम किया, इस दौरान फ्रेंचाइजी दोनों सीजन में तीसरे स्थान पर रही। प्लेऑफ में अपनी जगह बनाने के बाद, वे क्रमशः 2022 और 2023 सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और मुंबई इंडियंस से बाहर हो गए। गंभीर अब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में लौट आए हैं, जिस टीम को उन्होंने 2012 में आईपीएल का गौरव दिलाया था। इससे पहले गंभीर 2011 से 2017 तक कोलकाता फ्रेंचाइजी से जुड़े रहे थे, जिसे केकेआर का स्वर्णिम काल माना जाता है। इस अवधि के दौरान टीम ने 2 बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जीता, 5 बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया और 2014 में चैंपियंस लीग टी20 के फाइनल में पहुंची।

# महिला जूनियर हॉकी विश्व कप में जर्मनी से हारी भारतीय टीम

**सैंटियागो (एजेंसी)।** दो गोल की बढत बनाने के बावजूद भारतीय टीम एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में पिछली उपविजेता जर्मनी से 3-4 से हार गई। भारत के लिए अन्नु (11वां मिनट), रोपनी कुमारी (14वां मिनट) और मुमताज खान (24वां मिनट) ने गोल किये जबकि जर्मनी के लिये सोफिया श्वाबे (17वां), लौरा प्लथ (21वां और 36वां) और कैरोलिन सेइडेल (38वां) ने गोल दागे। पहले मैच में कनाडा को 12.0 से हराने वाली भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में दबदबा बना लिया और जर्मनी की रक्षापंक्ति को खासा परेशान किया। इन हमलों के बीच भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले और दूसरे पर अन्नु ने गोल करके टीम को बढत दिलाई। इसके

तीन मिनट बाद रोपनी ने गोल करके पहले क्वार्टर में भारत की बढ़त 2.0 की कर दी। दूसरे क्वार्टर में जर्मनी के लिए सोफिया ने दूसरे ही मिनट में फील्ड गोल दागा। वहीं लौरा ने बराबरी का गोल किया। मुमताज ने हालांकि 24वें मिनट में गोल करके हाफटाइम तक भारत को फिर 3.2 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भारत का जोर गेंद पर नियंत्रण बनाये रखने पर रहा जबकि जर्मनी ने बराबरी का गोल दाग दिया। लौरा ने 36वें मिनट में यह गोल किया। कैरोलिन ने 38वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके जर्मनी को बढ़त दिलाई। आखिरी क्वार्टर में दोनों टीमों ने काफी आक्रामक खेल दिखाया लेकिन गोल नहीं हो सका। भारतीय गोलकीपर माधुरी किंडो ने शानदार प्रदर्शन करके जर्मनी को एक और गोल करने से रोका। भारत को आखिरी क्षणों में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत का सामना अब शनिवार को बेल्जियम से होगा।

# श्रेष्ठ प्रदर्शन कर फायनल में पहुंचे आठ भारतीय मुक्केबाज

नई दिल्ली । आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2023 के छठे दिन आर्मेनिया के येरेवन में हुए क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन के बाद आठ जूनियर मुक्केबाजों ने पदक पक्के कर लिए। मीका स्पोर्ट्स एरेना में चल रहे टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए, सात प्रतिस्पर्धी जूनियर लड़कियों में से छह मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। एशियाई जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप की दो स्वर्ण पदक विजेता परी (50 किग्रा) और निधि (66 किग्रा) ने क्रमशः रोमानिया की मुलर मिकाएला और चीनी ताइपे की काओ चुन ऐ के खिलाफ 5-0 की समान जीत के साथ अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला जीता।पायल (48 किग्रा) ने आयरलैंड की डोहर्टी लॉरेन पर 5-0 की आसान जीत दर्ज की, जबकि अमीषा (54 किग्रा) ने सर्वसम्मत निर्णय से जीत के लिए दक्षिण कोरिया की किम जिया को मात दी। एशियाई जूनियर रजत पदक विजेता नेहा लुन्थी (46 किग्रा) का बेलारूस की हिजौरकाया एनहेलिना ने परीक्षण किया, लेकिन नेहा 4-1 के विभाजित निर्णय से जीत कर उभरीं।दूसरी ओर, प्राची (54 किग्रा) को कजाकिस्तान की सेइटखांकीजकि पनार के खिलाफ कड़ी मेहनत करनी पड़ी। पहले राउंड में उन्हें संघर्ष करना पड़ा और अपने प्रतिद्वंद्वी को परखने में उन्हें काफी समय लगा, लेकिन अंतिम दो राउंड में जोरदार वापसी करते हुए 3-2 से विभाजित फैसला सुरक्षित कर लिया। जॉयश्री देवी (60 किग्रा) हारने वाली अकेली भारतीय महिला रहीं, उन्हें रूस की लियोनोवा किरा के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।इस बीच, लड़कों के वर्ग में चार में से दो मुक्केबाज पदक दौर में आगे बढ़ने में सफल रहे।एशियाई जूनियर स्वर्ण पदक विजेता हार्दिक पंवार (80 किग्रा) और जतिन (54 किग्रा) अपने खेल में शीर्ष पर थे और वे क्रमशः दक्षिण कोरिया के पार्क डैमहयोन और जॉर्जिया के मुशकुडियानी डेविक पर सर्वसम्मत निर्णय से जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचे जबकि ब्रिजेश टम्टा (46 किग्रा) और दिवाश कटारे (50 किग्रा) ऐसे दो मुक्केबाज थे जिन्हें क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।पांच जूनियर लड़के और लड़की मुक्केबाज गुरुवार देर रात अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेलेंगे।सेमीफाइनल 2 दिसंबर को होंगे और फाइनल 3 और 4 दिसंबर को खेले जाएंगे।

# वोंग की आक्रामक बल्लेबाजी, इंग्लैंड ए ने दूसरे टी20 मैच में भारत ए महिला टीम को हराया

**मुंबई (एजेंसी)।** इस्सी वोंग की 15 गेंद में 35 रन की नाबाद पारी के दम पर इंग्लैंड महिला ए ने दूसरे मुकाबले में शुक्रवार को यहां भारत महिला ए को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया। भारत महिला ए के नौ विकेट पर 149 रन के जवाब में इंग्लैंड की पारी 15वें ओवर में पांचवां विकेट गिरने से लड़खड़ा गई थी लेकिन वोंग ने इसके बाद पांच चौके और एक छक्का जड़ित नाबाद पारी खेलकर सात गेंद शेष रहते टीम की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने अपने आखिरी 23 रन सिर्फ सात गेंदों में बनाए।

इंग्लैंड को आखिरी दो ओवर में जीत के लिए 17 रन चाहिए थे। वोंग ने काशवी गौतम (34 रन पर एक विकेट) के खिलाफ दो चौके और एक छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। श्रृंखला का निर्णायक मुकाबला तीन दिसंबर को खेला जाएगा। वोंग की ताबड़तोड़ पारी से पहले ग्रेस स्क्रिवेन्स ने सर्वाधिक 39 रन बनाने के अलावा माइया बाउचर के साथ पहले विकेट के लिए 38 की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बाउचर ने 27 रन की आक्रामक पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। उन्हें भारत की कप्तान मिन्नू मणि (29 रन पर दो विकेट) ने आउट कर दिया। श्रेयंका पाटिल (22 रन पर एक विकेट) ने इसके बाद शानदार लय में चल रही होली अमितेज (13) को बोल्ड किया। मिन्नू ने इसके बाद स्क्रिवेन्स की 34 गेंद की पारी को खत्म कर टीम को तीसरी सफलता दिलायी। जी दिव्या ने काश्वी की गेंद पर मैडी डिविलियर्स (चार) का शानदार कैच लपका तो वहीं जिन्तिमणि कलिता ने खतरनाक दिख रही फ्रेया कैंप (17) और श्रेयांका ने कप्तान चार्ली डीन (10) को शानदार थ्रो पर रन आउट किया। इन विकेटों का वोंग पर कोई असर नहीं पड़ा। इससे पहले विकेटकीपर बल्लेबाज उमा छेत्री ने 14 गेंद में

चार चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाए। वोंग ने उन्हें पवेलियन की राह दिखाई। इससे पहले माहिका गौर ने वृंदा दिनेश को शुरुआती ओवर में आउट किया। मणि ने तीन चौके लगाये लेकिन वह 13 गेंद में 14 रन ही बना सकी। पंजाब की कनिका आहूजा ने 14 गेंद में 27 जबकि अरुण गोयल की 26 गेंद में 26 रन की पारी से भारत ने सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया।

# भारत की पेस तिकड़ी साथ नहीं आएगी नजर, सफेद गेंद के खेल में शमी को मौका नहीं

**मुंबई (एजेंसी)।** साल 2023 के आखिर में भारतीय टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर रहेगी। जिसके लिए बीसीसीआई ने तीनों फॉर्मेट के लिए टीम की घोषणा की है। वहीं ये सीरीज भारत के लिए बेहद अहम होने वाली है। ऐसे में वर्ल्ड कप 2023 के बाद आगामी व्यस्त शेड्यूल को देखते हुए जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और शमी की तिकड़ी को विशेष प्रबंध के कारण छोटे प्रारूपों से ब्रेक दिया गया है।

प्रोटियाज के खिलाफ बीसीसीआई ने तीनों फॉर्मेट में एक साथ अपनी बेस्ट टीम को बिल्कुल नहीं उतारा है। सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी20 में सिर्फ मोहम्मद सिराज को जगह दी गई है।

बीसीसीआई ने बयान जारी करते हुए शमी को लेकर कहा है कि, शमी वर्तमान में चिकित्सा इलाज से गुजर रहे हैं और उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर है। पेस तिकड़ी को छोटे प्रारूपों में पूरी तरह से इस्तेमाल करने पर बीसीसीआई कतई जोर नहीं दे रहा है।

आईसीसी वर्ल्ड कप में भारतीय पेस अटैक का प्रदर्शन कमाल का रहा है। इसके बाद आगामी टी20 वर्ल्ड कप के मद्देनजर भारतीय टीम अपने तेज गेंदबाजों पर किसी भी तरह का दबाव नहीं डालना चाहता है। एक दिवसीय मैचों में बारत के लिए नया गेंदबाजी लाइन-अप होगा। मुख्य पेस तिकड़ी को सिर्फ टेस्ट में ही शामिल किया गया है। जबकि लाल गेंद में भी शमी का शामिल होना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

टेस्ट में पेस तिकड़ी का इस्तेमाल करना भारतीय टीम के लिए जरूरी भी है, क्योंकि इसमें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए किसी तरह के इस्तेमाल की गुंजाइश नहीं है। फिलहाल, भारतीय टीम वनडे पर ज्यादा ध्यान नहीं देगी, वनडे वर्ल्ड कप जा चुका है।

### साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत का स्क्वॉड

**टेस्ट के लिए भारतीय टीम-** रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, केएल राहुल, रविचंद्रन अश्वि, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा।

**3 टी20 मैचों के लिए भारत की टीम-** यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार

यादव, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, जितेश शर्मा, रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर।

**3 वनडे के लिए भारत की टीम-** रुतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार, आवेश खान, अर्शदीप ससिंह, दीपक चाहर।

# चौथे वरीय सिद्धार्थ को हराकर आर्यन क्वार्टर फाइनल में

स्पोर्ट्स डेस्क। देश के शीर्ष जूनियर खिलाड़ी आर्यन शाह ने गुरुवार को यहां दूसरे दौर में चौथी वरीयता प्राप्त सिद्धार्थ रावत को उलटफेर का शिकार बनाकर आईटीएफ कलबुर्गी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वालीफाइंग दौर में अच्छा प्रदर्शन करके मुख्य ड्रा में जगह बनाने वाले 18 वर्षीय आर्यन ने हार के कगार पर पहुंचने के बाद वापसी करके रावत को 4-6, 7-6 (4), 7-6 (3) से पराजित किया। भारतीय खिलाड़ियों में आर्यन के अलावा पांचवीं वरीयता प्राप्त रामकुमार रामनाथन, छठी वरीयता प्राप्त ऋषभ अग्रवाल और मनीष सुरेशकुमार ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले अन्य खिलाड़ियों में जापान के दूसरे वरीय मात्सुदा रयुकी, उनके हमवतन रयोतारो तागुची और सीता वतनबे तथा ऑस्ट्रिया के सातवें वरीय डेविड पिचलर शामिल हैं।

# अडाजण में पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों का स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया

**सूरत।** अडाजण के दिवालीबाग सामुदायिक भवन, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और सूरत नगर निगम द्वारा केंद्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश की प्रेरक उपस्थिति में पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के लाभार्थियों की आत्मनिर्भरता और जीवन की गुणवत्ता को लेकर स्ट्रीट वेंडर्स के परिवारों के साथ एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। केंद्रीय मंत्री दर्शनाबेन जरदोश ने यहां पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों से संवाद को प्रोत्साहित किया।

विक्रम संवत 2080 के नए साल में केंद्रीय मंत्री श्री दर्शनाबेन जरदोश ने कहा कि सूरत दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला शहर है। सूरत शहर ने पिछले साल देशभर में कई पुरस्कार और उपलब्धियां हासिल कीं, इसे पूरे देश में देखा गया है। देश लक्ष्य हासिल करने और 2047 में विकसित भारत के नाम पर खरा उतरने में अग्रणी बन रहा है। सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से कई छोटे व्यापारियों का जीवन रोशन हुआ है।

आगे रेल राज्य मंत्री ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना को उन छोटे व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी वालों के लिए वरदान के रूप में चुना गया है, जो कोरोना के कठिन समय के दौरान और उसके बाद दैनिक कमाई पर अपना घर चला रहे हैं। सरकार ने श्रमिकों को नौकरी के साथ-साथ प्रशिक्षण दिलाने की भी व्यवस्था की है। उद्यमशील महिलाएं घर पर ही हथकरघा हस्तशिल्प वस्तुएं बना रही हैं और आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ी हैं। पीएम आवास योजना के साथ-साथ स्वनिधि योजना का लाभ दिलाने में सूरत हमेशा अग्रणी रहा है।

महिलाएं स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर बनेंगी तो देश के विकास को नई गति मिलेगी। यह उल्लेख करते हुए कि व्यापार सुधारों के तहत व्यापार करने में आसानी के मामले में गुजरात सर्वश्रेष्ठ बन गया है, मंत्री ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से, केंद्र सरकार की विभिन्न 22 योजनाओं का लाभ 100त्न लोगों तक पहुंचाया गया है। तल।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को आत्मनिर्भर स्ट्रीट फेयर्स के स्नेहमिलन समारोह में मंत्रियों और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विधायक प्रवीणभाई घोघरी, स्थायी समिति अध्यक्ष राजन पटेल, डे मेयर डॉ. नरेंद्र पाटिल, सत्तारूढ़ दल के नेता शशिबेन त्रिपाठी, दंडक धर्मेशभाई वानियावाला, पूर्व महापौर हेमलीबेन बोघावाला, प्रमुख मुकेशभाई दलाल, विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, नगरसेवक, पदाधिकारी, लाभार्थी स्ट्रीट वंडर्स और नागरिक उपस्थित थे।

# सूरत में एक बार फिर 24 दीक्षार्थियों की सामूहिक दीक्षा देखी गई

**सूरत भूमि, सूरत।**

नाम बदलना - वेश बदलना - दृष्टिकोण बदलना - ध्यान बदलना - जीवन बदलना - परिवार बदलना - भाग्य बदलना - कार्य बदलना - लक्ष्य बदलना - वचन बदलना ही प्रवज्या (संयम-दीक्षा) है।

चातुर्मास के बाद पहला 24वां सामूहिक दीक्षा समारोह आसरा निवासी कोर्डिया भारमलभाई मालजीभाई परिवार द्वारा वेसू की तपोभूमि यशोकृपा नगरी में सूरत के धन्य धारा पर सिद्धिपथ तपोत्सव के साथ आयोजित किया गया था। इसकी शुरुआत हुई थी। जिसमें पावन निश्रा भक्तियोगाचार्य प.पू.आ.भ.श्री यशोविजय सूरीश्वरजी म.सा., शास्त्र अनुसंधानकर्ता प.पू.आ.भ.श्री मुनिचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा., सरस्वती लब्धप्रसाद प.पा.ए.बी. श्री रत्नसुन्दर सूरीश्वरजी म.सा. 700 से अधिक श्रमण श्रमणी वृंदों की उपस्थिति में रोमे परम स्पर्श दीक्षा मोहोत्सव विरति रथ में 24 सामूहिक दीक्षाएं शुरू की गईं। सभी संघों को अक्षत द्वारा प्रणाम किया गया।

24 शिष्यों को विजयतिलक लगाया गया और श्री संघ ने गणधर भगवंत का अभिनंदन किया। 24 मुमुक्षु ने भक्तियोगाचार्य प.पू.आ.भ.श्री यशोविजय सूरीश्वरजी म.सा.की ऊंची आवाज सुनी।

इसके बाद उन्होंने संयम का प्रतीक रजोहरण अर्पित करने का अनुरोध करते हुए कहा, 'मम मुंडवेह, मम पववेह, मम वेसं समाप्पे' पूज्यश्री ने 24 दीक्षार्थियों को रजोहरण (ओघो) अर्पित किया, दीक्षार्थी उत्साह से नृत्य करने लगे। संसार का भेष त्याग कर प्रभु वीर का शील (वस्त्रों में) 24 मंच पर आने पर मंडप में बैठे नवदीक्षित जन मेदानी ने अटल अनुग्रह के साथ मुमुक्षा को प्रणाम किया। 24 नूतन दीक्षित के आगमन पर सकल संघ ने 'नूतन दीक्षित नहीं जय जय कार' के नारे से हॉल को गुंजायमान कर दिया। इसके बाद 24 मुमुक्षाओं का नवीन नामकरण संस्कार किया गया।

# कतारगाम में राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग बेंचप्रेस और डेडलिफ्ट चैंपियनशिप और गुजरात राज्य पुलिस पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप-2023 शुरू हुआ

**सूरत।** सूरत सिटी पुलिस और स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ गुजरात की संयुक्त पहल 1 से 3 दिसंबर तक कतारगाम सामुदायिक हॉल में। इस बीच नेशनल पावरलिफ्टिंग बेंचप्रेस एंड डेडलिफ्ट चैंपियनशिप और गुजरात स्टेट पुलिस पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप-2023 की शानदार शुरुआत हो गई है. विभिन्न 32 श्रेणियों में कुल 3 इवेंट (पावरलिफ्टिंग, बेंचप्रेस, डेडलिफ्ट) आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें जम्मू-कश्मीर सहित देश के 17 राज्यों के 620 एथलीट भाग ले रहे हैं।

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर श्री अजय कुमार तोमर ने प्रेरणादायक भाषण देते हुए कहा कि खेलों का उम्र से कोई लेना-देना नहीं है। खेल व्यक्ति को सदैव युवा बनाये रखता है। खेलों को बढ़ावा देकर ही फिट इंडिया का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। दुनिया के शक्तिशाली देश भी खेलों को बहुत महत्व देते हैं। ऐसे विकसित देश शिक्षा, अर्थव्यवस्था और खेल में संतुलन बनाने में अग्रणी हैं, यही कारण है कि वे विदेशी खेल प्रतियोगिताओं में सैकड़ों पदक जीतने में सबसे आगे हैं। खेल-कूद और शिक्षा में पसीना बहाने वालों को निरंतर आगे बढ़ने की क्षमता हासिल होगी।

कमिश्नर ने हनुमानजी और भीम जैसे प्राचीन सशक्त चरित्रों का उदाहरण देते हुए कहा कि साहस और शक्ति के प्रतीक हनुमानजी और भीम प्राचीन काल में पावर लिफ्टिंग के सर्वोत्तम उदाहरण हैं. खेल से व्यक्तित्व का विकास होता है, जबकि नशा व्यक्ति को बर्बादी के गर्त में धकेल देता है। उन्होंने कहा कि च्नो ड्रग्स इन सूरतज् अभियान इसलिए शुरू किया गया है, ताकि शहर के नागरिक-युवा नशे के दाग से दूर रहें और उन्हें गर्त में न धकेला जाए। बर्बादी के गड्ढे और खेल में मिलेगा प्रोत्साहन. जिसमें समय-समय पर विभिन्न स्कूलों-कॉलेजों, सार्वजनिक संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों, सड़कों पर नशीली दवाओं के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

श्री तोमर ने बताया कि इस बार पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गुजरात राज्य पुलिस के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एक चैम्पियनशिप का भी आयोजन किया गया है, जिसमें 10 महिला खिलाड़ियों सहित कुल 22 खिलाड़ियों ने भाग लिया है। लोगों की सुरक्षा के साथ-साथ पुलिसकर्मियों को खेलों में भी हिस्सा लेने का मौका मिला है.

यूनाइटेड पावर लिफ्टिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (यूपीएफआई) के अध्यक्ष डीओपी अरुण मणि ने पावर लिफ्टिंग और वेट लिफ्टिंग के बीच अंतर समझाया और कहा कि पावर लिफ्टिंग में वजन कंधों के नीचे से उठाया जाता है और वेट लिफ्टिंग में वजन कंधों के ऊपर से उठाया जाता है। कंधे.. उन्होंने मार्च-2024 में तमिलनाडु के सेलम सिटी में होने वाली आगामी पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता की रूपरेखा तैयार की।

यूपीएफआई के मुख्य संरक्षक श्री हेमन्तकुमार ने इस आयोजन के लिए सूरत पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि प्रतियोगिता के सुचारु आयोजन में सूरत पुलिस स्टाफ का अद्वितीय योगदान रहा है, सूरत के आतिथ्य

का आनंद उठाकर सभी खिलाड़ी और प्रतिनिधि खुश हैं।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने खेल को महत्व देने तथा खेल को जीवन का हिस्सा बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। साथ ही विभिन्न राज्यों से आए पावर लिफ्टरों ने पावर लिफ्टिंग का प्रदर्शन किया।

ज्ञात हो कि इस प्रतियोगिता में 32 चैंपियंस ऑफ चैंपियंस विजेता होंगे और उन्हें प्रायोजक धर्मनंदन डायमंड और भंडेरी लैबग्रून डायमंड द्वारा ट्रॉफी और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा जबकि अन्य विजेताओं को पदक और नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।

# तंबाकू उद्योग युवाओं को लक्षित करने और विज्ञापन नियमों से बचने के लिए कर रहा है मेटावर्स, एडवरगेम्स और एमएफटी का इस्तेमाल

**सूरत —**

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित मार्केटिंग मॉनिटरिंग करने वाली वाइटल स्ट्रैटेजीज टीईआरएम की एक नई रिपोर्ट में पाया गया है कि तंबाकू कंपनियां घटती वैश्विक धूम्रपान दर और कठोर विज्ञापन नियमों से लड़ने के लिए मेटावर्स से लेकर पोडकास्ट और नॉन-फंगीबल टोकन (एनएफटी) जैसे नए डिजिटल मार्केटिंग टूल्स में निवेश कर रही हैं। इन अनियमित स्थानों पर युवा दर्शकों का वर्चस्व है, कुछ अनुमानों के मुताबिक 51% प्रतिवर्ष मेटावर्स प्रतिभागी 13 या इससे भी कम उम्र के हैं।

नंदिता मुरुकुतला, वाइस प्रेसिडेंट, ग्लोबल पॉलिसी और रिसर्च, वाइटल स्ट्रैटेजीज, ने कहा, "दुनियाभर में तंबाकू का उपयोग घट रहा है और तंबाकू उद्योग को अपने मुनाफे को बचाने के लिए अगली पीढ़ी के नए यूजर्स को जोड़ने की सख्त जरूरत है, क्योंकि धूम्रपान करने वाले पुराने लोग मर रहे हैं।" "टीईआरएम की ताजा रिपोर्ट में, हमनें देखा है कि उद्योग नए यूजर्स तक पहुंचने के लिए ऑनलाइन सबकुछ करने की कोशिश कर रहा है, इंटरनेट के हर कोने में विज्ञापन दिखाने के लिए अपने विशाल मार्केटिंग बजट का उपयोग कर रहा है, जहां नियम सबसे ज्यादा कमजोर हैं। सबसे चिंता की बात यह है कि जिन स्थानों को वे लक्षित कर रहे हैं, वे युवा दर्शकों से भरे हुए हैं। हमारे आंकड़े दिखाते हैं कि सरकार को कदम उठाने की जरूरत है: तंबाकू विज्ञापनों पर अंकुश लगाने के प्रयासों को मजबूत बनाने के लिए इन डिजिटल टूल्स द्वारा उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए स्मार्ट नीतियों ओर प्रवर्तन की तत्काल आवश्यकता है। हमें सभी जगह ध्यान रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि टेक्नोलॉजी निगरानी के दायरे से बाहर न रहे।"

तंबाकू विज्ञापनों को देखकर ही युवा धूम्रपान शुरू करते हैं, जिसमें से करीब आधे यूजर्स मर जाते हैं। यह बात सबको पता है कि तंबाकू को सोशल मीडिया पर बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन अन्य उभरते डिजिटल स्थानों के बारे में कम जानकारी है। वाइटल स्ट्रैटेजीज के टोबैको एनफोर्समेंट एंड रिपोर्टिंग मूवमेंट (टीईआरएम) इस बात के शुरुआती सबूत पेश करता है कि कैसे तंबाकू कंपनियां डिजिटल मंचों का फायदा उठाने के लिए कैसे इन मंचों का दुरुपयोग कर रही हैं। "नेक्स्ट फ्रंटियर इन टोबैको मार्केटिंग : मेटावर्स, एनएफटी, एडवरगेम्स और अन्य" सरकारों के लिए अनियंत्रित रूप से बढ़ रहे तंबाकू विज्ञापनों को कैसे रोका जाए, इस पर अपने सुझाव प्रदान करता है।

# SAIC मोटर और JSW ग्रुप ने एक संयुक्त उद्यम की घोषणा की इसका मकसद हरित गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करना और विकास में तेजी लाना है

**दिल्ली और मुंबई ।** SAIC मोटर ने JSW समूह के साथ रणनीतिक संयुक्त उद्यम में प्रवेश किया है। SAIC एक फॉर्च्यून 500 कंपनी है और इसका वार्षिक राजस्व लगभग 110 बिलियन अमेरिकी डॉलर है और यह 100 से अधिक देशों में कार्यरत है। जबकि JSW अमेरिका के साथ भारत के अग्रणी वैश्विक व्यापार समूहों में से एक है।यह विविध व्यवसायों से 23बिलियन डॉलर का राजस्व हासिल कर रही है।

लंदन में एमजी कार्यालय में एसएआईसी के अध्यक्ष वांग जियाओकिउ और जेएसडब्ल्यू समूह के पार्थ जिंदल द्वारा शेयरधारक समझौते और शेयर खरीद और शेयर सदस्यता समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इसका मकसद भारत में एमजी मोटर के परिवर्तन और विकास में तेजी लाना है। SAIC मोटर और JSW ग्रुप ऑटोमोबाइल नई तकनीक के क्षेत्र में संसाधनों को एक मंच पर लाकर रणनीतिक तालमेल बनाएंगे। यह ज्वाइंट वेंचर कई नई पहल भी करेगा। इनमे स्थानीय सोर्सिंग को बढ़ाना, चार्जिंग के बुनियादी ढांचे में सुधार, उत्पादन क्षमता का विस्तार और हरित गतिशीलता पर ध्यान देने के साथ साथ वाहनों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करना शामिल है।

समझौते के अनुसार JSW की इस भारतीय संयुक्त उद्यम में 35% हिस्सेदारी होगी। SAIC भारतीय उपभोक्ताओं पर फोकस करता रहेगा। इसके साथ साथ यह असाधारण गतिशीलता और समाधान प्रदान करने के लिए यह इस वेंचर को उन्नत प्रौद्योगिकी प्रदान करता रहेगा।

SAIC मोटर के अध्यक्ष वांग ज़ियाओकिउ के अनुसार, "ऑटोमोबाइल व्यवसाय एक वैश्विक उद्योग है, और किसी भी अन्य समान उद्योग की तरह, इसके स्वस्थ विकास के लिए पहुंच और सहयोग महत्वपूर्ण है। SAIC ने हमेशा 'जीत-जीत सहयोग'के दृष्टिकोण का पालन किया

है। हम दोनो साझेदार अपनी मूल क्षमताओं में लगातार सुधार करते हुए और अपने उत्पादन और बिक्री के पैमाने का विस्तार करते हुए भारत के बढ़ते ऑटोमोटिव बाजार में उपभोक्ताओं के लिए मिलकर काम करेंगे। हम हरित, स्मार्ट उत्पादों और सेवाएं प्रदान करने के लिए और बाजार पर कब्जा करने के लिए बेहतरीन इनोवेशन लेकर आएंगे। अपने उत्पादों के ब्रांड प्रभाव और बाजार हिस्सेदारी का लगातार विस्तार और भारत में एमजी के लिए बड़ी सफलता हासिल करना ही हमारा लक्ष्य है।"

# गोदरेज कैपिटल निर्माण ने अपनी पेशकश बढ़ाई; एमएसएमई को आगे बढ़ने में मदद करने के लिए डीबीएस बैंक इंडिया, वीज़ा और अमेज़न के साथ की साझेदारी

**मुंबई।** भारतीय कारोबारीमें अपने125 वर्षों से अधिक के समृद्ध इतिहास के साथ गोदरेज समूह, एमएसएमई के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। 'राष्ट्र-निर्माण' के परिदृश्य में निहित और गोदरेज ब्रांड में भारतीय उपभोक्ताओं के विश्वास से मज़बूत, गोदरेज कैपिटल अपने सहयोगी नेटवर्क का महत्वपूर्ण विस्तार कर अपने निर्माण प्लेटफॉर्म पर बड़ी पहलकर रही है। डीबीएस बैंक इंडिया, वीज़ा, अमेज़न और अन्य उद्योग के दिग्गजों के साथ साझेदारी, एमएसएमई मालिकों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने के लिए गोदरेज कैपिटल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। ये सहयोग एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जो उनकी व्यावसायिक यात्रा के दौरान विभिन्नकिस्म की मूल्यवर्धित सेवाएं और व्यापक समर्थन प्रदान करते हैं। अपनी प्रतिबद्धता के प्रमाण केतौरपर, निर्माण ने भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र के गतिशील परिदृश्य में एमएसएमई के विकास में सक्रिय रूप से योगदान करने की दृष्टि केअनुरूप, 13 से अधिक भागीदारों को शामिल करने के लिए अपने सहयोगी मॉडल का विस्तार किया है।

मंच का लक्ष्य है, एमएसएमई के लिए तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देना:

- ग्राहकों की संख्या में बढ़ोतरी
- संचालन को सुव्यवस्थित करना
- कर्मचारी कीउत्पादकता में बढ़ोतरी

इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए, गोदरेज कैपिटल के प्रबंधनिदेशक और मुख्यकार्यकारी, मनीष शाह ने कहा, "हमें निर्माण के माध्यम से एमएसएमई को आगेबढ़ने में मदद करने की हमारी प्रतिबद्धता को मज़बूत करते हुए, अपने साझेदार परितंत्र का विस्तार कर खुशी हो रही है। हमारा लक्ष्य है, उत्प्रेरक बनना और एमएसएमई को व्यवसाय को बढ़ाने की उनकी यात्रा का अंग बनकर ऋण देने के अलावा भी अन्य सहायता प्रदान करना। गोदरेज समूह के राष्ट्र-निर्माण संबंधी विचार के अनुरूप, हम खुद को समर्थक के रूप में देखते हैं और हमारा दृढ़ विश्वास है किसामूहिक प्रतिबद्धता और हमारे भागीदारों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के साथ, हम एक बदलाव ला सकते हैं और भारत को 5 ट्रिलियन-डॉलर की अर्थव्यव-स्था बनाने में योगदान दे सकते हैं।

# एआईपीएमए करेगा प्लास्टिविजन 2023 के 12वें संस्करण का आयोजन

**मुंबई ।** ऑल इंडिया प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एआईपीएमए) ने प्लास्टिविज़न 2023 की तारीखों की घोषणा कर दी है। यह प्रदर्शनी 7 से 11 दिसम्बर, 2023 तक नेस्को एग्जिबिशन सेंटर, मुंबई में आयोजित होगी। पहली बार वर्ष 1992 में एक व्यापार मेले के रूप में इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। उसके बाद से हर तीन साल पर इसका आयोजन किया जाता है। इस साल एआईपीएमए द्वारा आयोजित 'प्लास्टिविज़न 2023' भारतीय कंपनियों के लिए प्लास्टिक उत्पालदन में अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने का मंच साबित होगा। एआईपीएमए भारतीय प्लास्टिक उद्योग के विकास को प्रोत्साहित करने वाला सबसे पुराना और सबसे बड़ा गैर-लाभकारी शीर्ष संगठन है, जिसकी स्थापना अप्रैल 1947 में की गई थी।

विश्व में प्लास्टिक उद्योग के शीर्ष 5 समारोहों में शामिल, इस प्रदर्शनी का 12वाँ संस्करण, प्लास्टिविज़न 2023 अभी तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा। इसमें 1,500 से अधिक कंपनियाँ भाग लेंगी। इस वर्ष की प्रदर्शनी में ऑटोमेशन और रोबोटिक्स, पुनर्चक्रण से तैयार और मेडिकल एवं हेल्थकेयर उत्पादों जैसे नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही, एक विशेष इंडिया मोल्ड और दाना बाज़ार के साथ रीसाइक्लिंग पवेलियन, तथा स्टार्ट-अप सेगमेंट इस वर्ष के मुख्य आकर्षण होंगे। विदेशी प्रदर्शकों में यूएसए, चीन, यूके, यूएई, इजिप्ट, जर्मनी, ईरान, इटली, जापान, ऑस्ट्रिया, मलेशिया, रूस, नीदरलैंड्स, दक्षिण कोरिया, ताईवान, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देश शामिल हैं। प्रदर्शनी में आधिकारिक रूप से रिलायंस इंडस्ट्रीज, सुप्रीम पेट्रोकेम, एचपीसीएल, गेल, एचएमईएल और आईओसीएल आदि जैसी कंपनियाँ भाग ले रही हैं, जबकि आम नागरिकों के लिए भी रजिस्ट्रेशन खुला है। इसके अलावा, जर्मनी, इजराइल, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, सऊदी अरब आदि सहित कम-से-कम 28 देशों के उद्योग लीडर्स और कंपनियाँ प्रदर्शनी के अंतरराष्ट्रीय पवेलियन में उपस्थित रहेंगी। उनकी मौजूदगी से भागीदारों को नेटवर्किंग के बेशुमार अवसर मिलेंगे। एआईपीएमए को उद्योग के दिग्गज, जैसे कि एनईसी के चेयरमैन श्री हरपाल सिंह, एआईपीएमए के प्रेसिडेंट श्री मनीष विदेधिया, एनएबी के चेयरमैन श्री अरविन्द मेहता और प्लास्टिविज़न इंडिया 2023 के को-चेयरमैन डॉ. आशुतोष गौर और श्री चंद्रकांत तुराखिया का मार्गदर्शन हासिल है। आगामी प्रदर्शनी के बारे में विस्तार से बताते हुए, एआईपीएमए के प्रेसिडेंट, श्री मनीष देधिया ने कहा कि, "हम अपने 12वें संस्करण, प्लास्टिविज़न 2023 के आयोजन के लिए रोमांचित हैं। हमें पूरा विश्वास है कि यह संस्करण पिछले सभी आयोजनों से बड़ा और शानदार होगा। इस साल की प्रदर्शनी में 1,5000 से अधिक प्रदर्शकों और 2,50,000 से अधिक दर्शकों के आने की उम्मीद है। इस दौरान अन्तरराष्ट्रीय खरीदारों के साथ विशिष्ट बी2बी मीटिंग होगी जिससे सहभागी कंपनियों के लिए ढेरों व्यावसायिक अवसर उपलब्ध होंगे।"

एनईसी के चेयरमैन, श्री हरपाल सिंह ने प्लास्टिविज़न 2023 के विषय में कहा कि, "अपनी समृद्ध परम्परा के अनुसार प्लास्टिविज़न 2023 भारतीय प्लास्टिक उद्योग में खरीदारों और विक्रेताओं के लिए सबसे बड़ा प्लैटफॉर्म होगा। साथ ही, यह विनिर्माताओं, मंत्रालय के प्रमुख अधिकारियों और उद्योग जगत के लोगों के साथ मिलकर भविष्य। में वृद्धि करने के लिए एक महत्वपूर्ण घटक होगा, जो यहाँ एकत्र होकर अपने-अपने विचार और नवीनताओं को साझा करेंगे। आखिरकार, एआईपीएमए का लक्ष्य भारत को प्लास्टिक के लिए वैश्विक केंद्र बनाना है और हमें यकीन है कि प्लास्टिविज़न 2023 उस लक्ष्य की दिशा में विकास के ज्यादा अवसर बढ़ाने वाली एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत ( गुजरात ) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ ( गुजरात ) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत ( गुजरात ) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, ( न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा )